दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

मुंहासे हैं तो हो जाएं सावधान! इन 5 ...8

बलरामपुर
सोमवार, 29 जून 2026
वर्ष: 05 अंक : 268 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

एक खास समुदाय को टारगेट कर रहा कानून, पश्चिम बंगाल में यूसीसी पर बोले इमाम कासमी

पश्चिम बंगाल विधानसभा में पेश होने वाले यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल को लेकर कोलकाता के इमाम मौलाना मोहम्मद शफीक कासमी ने अपनी बात रखी है। उन्होंने यूसीसी का विरोध करते हुए कहा, ष्यूनिफॉर्म सिविल कोड न तो इस देश के हित में है और न ही यहां के लोगों के हित में है।ष उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत में यूसीसी लागू होने से किसी भी एक कम्युनिटी को कोई फायदा हो रहा है, तो कृपया उसे सामने लाया जाए और बताया जाए। इमाम ने कहा कि अगर इससे मुस्लिमों का नुकसान होता लेकिन हमारे हिंदू भाई–बहनों या दूसरी कम्युनिटीज का फायदा होता, तो भी इसे एक बार को स्वीकार किया जा सकता था। लेकिन किसी एक खास कम्युनिटी को टारगेट करके या उसे ध्यान में रखकर कोई कानून बनाना बिल्कुल भी

सही नहीं है।

लव जिहाद और लैंड जिहाद कानून पर सरकार को संदेशः पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा श्लैंड जिहादश और श्लव जिहादश के खिलाफ कानून लाने के प्रस्ताव पर भी इमाम मौलाना मोहम्मद शफीक कासमी ने खुलकर अपनी राय दी। उन्होंने सरकार को एक सीधा मैसेज देते हुए कहा, ष्मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि इस पूरे मामले पर बहुत ही शांत दिमाग से और बिना किसी धार्मिक या सांप्रदायिक पक्षपात के सोचने की जरूरत है, चाहे मामला श्लव जिहादश का हो या किसी और तरह के श्जिहादश का।ष उन्होंने कहा कि सरकार के पास कानून बनाने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसमें भेदभाव नहीं होना चाहिए।

सजा और कानून में बराबरी की मांगः इमाम कासमी ने कानून की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए एक बड़ा तर्क दिया। उन्होंने पूछा, ष्अगर कोई हिंदू महिला किसी मुस्लिम पुरुष से शादी करती है, तो उसे तुरंत श्लव जिहादश का नाम दे दिया जाता है, लेकिन तब क्या होता है जब कोई हिंदू पुरुष किसी मुस्लिम महिला से शादी करता है? क्या उस स्थिति के लिए भी ऐसा ही कानून बनाया जाएगा, और क्या उसमें भी बिल्कुल वही सजा दी जाएगी?

कराची आतंकी हमले पर पाकिस्तान के आरोपों को भारत ने किया खारिज, दी पुरानी आदत छोड़ने की नसीहत

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के कराची में हुए हालिया आतंकी हमले को लेकर भारत पर लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह से बेबुनियाद और मनगढ़ंत बताते हुए खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स और बयानों पर पलटवार करते हुए इस्लामाबाद को कड़ी नसीहत दी है कि वह अपनी पुरानी आदतों से बाज आए। भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक विफलताओं, कमजोरियों और कानून–व्यवस्था की बदहाली को छुपाने के लिए हमेशा की तरह भारत की तरफ उंगली उठाने की कोशिश कर रहा है, जिसे भारत सिरे से खारिज करता है।

आतंकवाद को सरकारी नीति का हथियार बनाना बंद करे पाकिस्तानः विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए अपने आधिकारिक बयान में कहा, ष्हमने हाल ही में कराची में हुई घटना को लेकर भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने वाली पाकिस्तानी रिपोर्टें देखी हैं। हम उन्हें कड़े शब्दों में खारिज करते हैं। दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय, पाकिस्तान के लिए यह बेहतर होगा कि वह अपने अंदर झांके।ष उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान अपनी धरती पर मौजूद आतंकवादी बुनियादी ढांचे के खिलाफ असली और पुख्ता कार्रवाई करे और राज्य की नीति के एक टूल के रूप में आतंकवाद का इस्तेमाल करने की अपनी पुरानी गंदी आदत से खुद को आजाद करे। भारतीय विदेश मंत्रालय का मानना है कि जब भी पाकिस्तान के अंदर कोई हिंसक वारदात या सुरक्षा में चूक होती है, तो वहां का प्रशासन बिना किसी जांच–पड़ताल के भारत पर दोष मढ़ने की स्क्रिप्ट लिखने लगता है।

कराची में क्या हुआ था?: आपको बता दें कि पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची में शनिवार रात एक बेहद भीषण आतंकी हमला हुआ था। हमलावरों ने पाकिस्तान रेंजर्स के प्रांतीय मुख्यालय को निशाना बनाया और विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी लेकर सीधे कंपाउंड के अंदर घुस गए और धमाका कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर के शहीद दिनेश शर्मा वश्वर मेमोरियल में अमर, परिवार को गर्व, मां ने अधूरे वादों की याद दिलाई

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश के लिए

अपनी जान कुर्बान करने वाले छह जांबाज जवान अब औपचारिक रूप से पूरी दुनिया के सामने आ गए हैं। सरकार ने पहली बार इन सभी छह शहीदों के नाम सार्वजनिक किए हैं। इन वीर सपूतों को सम्मान देते हुए इनके नामों को दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट पर रोल ऑफ ऑनर में शामिल कर लिया गया है। इसके साथ ही वॉर मेमोरियल की वॉल 3डी पर साल 2025 के सेक्शन में इनके नाम हमेशा–हमेशा के लिए अंकित कर दिए गए हैं। शहीद की पत्नी बोलीं, पति के बलिदान पर पूरे देश को गर्व है: इस बेहद भावुक और गर्व के मौके पर हरियाणा के पलवल के रहने वाले शहीद लांस नायक दिनेश कुमार शर्मा के परिवार ने अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। शहीद दिनेश की पत्नी सीमा देवी ने कहा, ष्इस पूरे गांव, देश और मुझे अपने पति पर बहुत गर्व है कि उन्होंने मातृभूमि के लिए इतना बड़ा बलिदान दिया।ष उन्होंने आगे कहा कि वे सरकार की बेहद शुक्रगुजार हैं जिन्होंने दिल्ली के वॉर मेमोरियल में उनके पति का नाम लिखकर इतना बड़ा सम्मान दिया। इसके साथ ही सरकार ने सीमा देवी को शिक्षा विभाग में क्लर्क की नौकरी भी दी है। सीमा देवी चाहती हैं कि उनके बच्चे भी बड़े होकर अपने पिता के नक्शेकदम पर चलें और देश की सेवा करें। उन्होंने यह भी याद किया कि जब उनके पति शहीद हुए थे, तब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी खुद उनके घर आए थे।

पीएम मोदी ने रचा नया कीर्तिमान, सेशेल्स संसद बनी 20वीं विदेशी संसद जिसे किया संबोधित

सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में वहां की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नया इतिहास रच दिया है। यह दुनिया की 20वीं ऐसी संसद है जिसे पीएम मोदी ने संबोधित किया है। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, ष्इस नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री के रूप में आपके सामने खड़ा होना मेरे लिए एक बेहद खास सम्मान की बात है। मैं अपने साथ भारत के 140 करोड़ लोगों की तरफ से आपके लिए ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं लेकर आया हूं।ष

पीएम मोदी ने याद दिलाया कि साल 2015 में प्रधानमंत्री बनने के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में उन्होंने सबसे पहले सेशेल्स का ही दौरा किया था, क्योंकि भारत के विजन में सेशेल्स का एक बहुत ही खास स्थान है। एक दशक बाद यहां लौटकर उनका यह विश्वास और भी ज्यादा मजबूत हो गया है। उन्होंने

सेशेल्स को उसकी आजादी की 50वीं सालगिरह पर बधाई भी दी।

मोदी ने 1770 के इतिहास का किया जिक्रः पीएम मोदी ने भारत और सेशेल्स के गहरे रिश्तों पर बात करते हुए कहा कि हमारी दोस्ती सिर्फ 50 साल पुरानी नहीं है, जब हमारे डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू हुए थे। यह दोस्ती बहुत पहले, अगस्त 1770 में ही शुरू हो गई थी। जब श्थेलेमाकेश जहाज से लोग सेंट ऐन आइलैंड पहुंचे थे, तो उनमें पांच भारतीय भी शामिल थे। उसी यात्रा ने आगे का रास्ता दिखाया और वक्त के साथ भारतीयों की कहानियां मॉडर्न सेशेल्स की कहानी का हिस्सा बन गईं। पीएम मोदी ने कहा, ष्यह इतिहास हमें याद दिलाता है कि हमारे बीच के ये संबंध किसी सरकार ने नहीं बनाए हैं। इन्हें यहां के लोगों ने बनाया है, परिवारों ने पाला–पोसा है और पीढ़ियों ने इसे जिंदा रखा है। हिंद महासागर ने इसे मुमकिन बनाया है। यह समंदर भारत और सेशेल्स को अलग नहीं करता, बल्कि हमें आपस में जोड़ता है। यही वजह है कि हम अजनबियों की तरह नहीं, बल्कि पुराने दोस्तों की तरह मिलते हैं।ष

INS नीलगिरि से लेकर श्छे तरकश तक...: प्रधानमंत्री ने दोनों देशों की पार्टनरशिप की गहराई को बयां करते हुए एक और दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने कहा कि 50 साल पहले जब सेशेल्स आजाद हो रहा था, तब भारत का एक नौसैनिक जहाज श्छे नीलगिरिश दोस्ती और एकजुटता के प्रतीक के रूप में पोर्ट विक्टोरिया में मौजूद था और आज, जब सेशेल्स अपनी आजादी की गोल्डन जुबली मना रहा है, तो भारत के दो आधुनिक युद्धपोत श्छे तरकशश और श्छे इक्षकश पोर्ट विक्टोरिया पर आपके साथ इस जश्न में शामिल हैं। बीते 50 सालों में दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन एक–दूसरे के प्रति हमारा कमिटमेंट आज भी वैसा ही है। मैरीटाइम सिक्योरिटी, कैपेसिटी बिल्डिंग, हाइड्रोग्राफी और मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस में हमारा सहयोग एक सुरक्षित हिंद महासागर के लिए हमारी कमिटमेंट को दिखाता है। हमारा यही विजन हमारे श्महासागरश आइडिया में छिपा है, जो यह मानता है कि हम दोनों का फ्यूचर एक–दूसरे से जुड़ा हुआ है।

फ्यूचर जनरेशन के लिए मिलकर काम करने का संकल्प

भाषण के आखिरी हिस्से में पीएम मोदी ने भविष्य के रोडमैप पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत और सेशेल्स मिलकर फिशरीज, मरीन साइंस, कोस्टल मैनेजमेंट, रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबल टूरिज्म के क्षेत्रों में बेहतरीन पार्टनरशिप बना सकते हैं। उन्होंने सेशेल्स के सांसदों और दुनिया से अपील करते हुए कहा, ष्आइए हम सब मिलकर इस तरह काम करें कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को जो समंदर विरासत में मिले, वे आज की तुलना में कहीं ज्यादा हेल्दी, सेफ और रिसोर्सेज से भरपूर हों।ष

कैलाश मानसरोवर : काठमांडू में फंसे 52 भारतीय श्रद्धालु, एमईए ने जारी की एडवाइजरी

प्राइवेट टूर ऑपरेटरों के जरिए कैलाश मानसरोवर की यात्रा का प्लान बना रहे भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए विदेश मंत्रालय ने एक बेहद जरूरी एडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय ने श्रद्धालुओं को साफ तौर पर सलाह दी है कि वे वैध चीनी वीजा और जरूरी एंट्री परमिट जैसे सभी अनिवार्य डाक्यूमेंट्स के बिना मानसरोवर की यात्रा पर बिल्कुल न निकलें।

क्यों जारी करनी पड़ी एडवाइजरी?: दरअसल, विदेश मंत्रालय को यह कदम उन खबरों के सामने आने के बाद उठाना पड़ा है, जिनमें पता चला है कि सही और पूरे डाक्यूमेंट्स न होने की वजह से करीब 52 भारतीय तीर्थयात्री नेपाल की राजधानी काठमांडू में फंस गए हैं। ये सभी श्रद्धालु वहां अपनी आगे की यात्रा जारी रखने के लिए मदद का इंतजार कर रहे हैं। इसी सिचुएशन को देखते हुए सरकार ने बाकी लोगों को पहले ही सावधान कर दिया है।

राम मंदिर दान पेटिका घोटालाः अयोध्या पुलिस की ताबड़तोड़ रेड, 8 आरोपियों से अब तक 80 लाख कैश बरामद

राम मंदिर की दान पेटिका में हुई वित्तीय गड़बड़ी और हेरफेर के मामले में अयोध्या पुलिस ने रविवार को एक बहुत बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस की अलग–अलग टीमों ने इस स्कैम में नामजद सभी आठ आरोपियों के घरों पर एक साथ, एक ही समय पर छापेमारी की। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से आरोपियों के मोहल्लों में पूरी

तरह हड़कंप मच गया। जांच टीमें मुख्य आरोपी अनुकल्प मिश्रा, अवनीश शुक्ला, मनीष यादव और टिन्नू यादव समेत बाकी सभी आरोपियों के घरों पर भारी दलबल के साथ पहुंच गईं।

घरों के बाहर कड़ा पहराः इस रेड के दौरान पुलिस का बंदोबस्त इतना टाइट था कि कोई भी बाहरी इंसान अंदर–बाहर नहीं आ जा सके। इसके लिए आरोपियों के घरों के मेन गेट्स पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। पुलिस अधिकारियों ने घरों के चप्पे–चप्पे की तलाशी ली और वहां मौजूद फैमिली मेंबर्स से तीखे सवाल–जवाब करते हुए उनके बयान दर्ज किए। सामने आई खबरों के मुताबिक, पुलिस अब तक इस पूरे मामले में आरोपियों के पास से करीब 80 लाख रुपये का कैश बरामद कर चुकी है।

चार्जशीट को एकदम सरलिड बनाने की तैयारी

आपको बता दें कि इस पूरे डोनेशन घोटाले का पर्दाफाश होने के बाद पिछले बृहस्पतिवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। इसके ठीक अगले ही दिन यानी शुक्रवार को पुलिस ने तेजी दिखाते हुए सभी आठों आरोपियों को अरेस्ट कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में सीधे जेल भेज दिया गया था। फिलहाल सभी आरोपी सलाखों के पीछे हैं और पुलिस अब इस केस की चार्जशीट को कोर्ट में कोर्ट–प्रूफ और मजबूत बनाने के लिए पुख्ता सबूत जुटाने में जुटी हुई है।

सबूतों की तलाश के बीच लोकल लोगों से अपील

पुलिस इस छापेमारी के जरिए इस वित्तीय घोटाले से जुड़े दूसरे जरूरी डाक्यूमेंट्स, बैंक अकाउंट्स की डिटेल्स और कहीं छुपाकर रखे गए पैसों को ढूंढने की कोशिश कर रही है। जांच को पूरी तरह फेयर और सॉलिड बनाने के लिए पुलिस ने आस–पड़ोस के लोकल लोगों को भी गवाह के तौर पर शामिल किया है। इसके साथ ही पुलिस ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि अगर उनके पास इस मामले से जुड़ी कोई भी खुफिया जानकारी या सबूत है, तो वे बिना किसी डर के पुलिस के पास आएं और अपना बयान दर्ज कराएं।

राम भक्तों पर गोली चलाने वाले....

हाथरस में सीएम योगी का अखिलेश पर वार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को हाथरस के सलेमपुर इंडस्ट्रियल एरिया पहुंचे। अपने इस दौरे पर सीएम योगी ने हाथरस की जनता को 548 करोड़ रुपये की लागत वाली 143 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। उन्होंने वहां लोकल प्रोडक्ट्स के स्टॉल्स का मुआयना किया, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक बांटे और साथ ही छोटे बच्चों को अपने हाथों से खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन भी कराया। राम भक्तों पर गोली चलाने वाले अब अयोध्या की बात कर रहे हैं: प्रोग्राम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव के एक बयान पर जमकर चुटकी ली। योगी ने कहा, ष्अखिलेश यादव कह रहे हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वे अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाएंगे। अरे, आप क्या बनाएंगे! अपना इतिहास तो देखिए, राम भक्तों पर गोली आप ही के लोगों और आपकी सरकार ने चलाई थी।ष उन्होंने आगे कहा कि आज जब पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या त्रेता युग जैसी चमक रही है, तो विपक्ष के मुंह में भी पानी आने लगा है। मुल्ला–मौलवियों के सामने घुटने टेकने वाले विकास क्या करेंगे?: सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए कहा कि उनकी सरकार मथुरा–वृंदावन में श्रद्धालुओं को वर्ल्ड–क्लास सुविधाएं देने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है। लेकिन विपक्ष में इसके लिए हिम्मत नहीं है। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा, ष्आपके पास मुल्ला और मौलवियों के सामने घुटने टेकने के सिवाय कोई और एजेंडा नहीं है। आपके पास अयोध्या, मथुरा या काशी की पौराणिक पहचान को बचाने की कोई सोच नहीं है। इसलिए जनता की आंखों में धूल झोंकना बंद करिए और श्खिसियानी बिल्ली खंभा नोचेश वाली कहावत को सच मत करिए। अयोध्या अपनी पहचान के लिए किसी की मोहताज नहीं है।ष

पैसे के डायवर्जन पर सीएम योगी का बड़ा बयान

सीएम योगी ने सपा सरकार के पुराने दिनों की याद दिलाते हुए कहा कि उनके समय में थानों और जेलों में कृष्ण जन्माष्टमी मनाने पर रोक थी और कांवड़ यात्रा पर भी बैन लगा दिया गया था। उन्होंने कहा, ष्आज हाथरस में 22 से ज्यादा मंदिरों का सुंदरीकरण हुआ है। क्या यह सपा के राज में मुमकिन था? बिल्कुल नहीं, क्योंकि उनके समय में विकास का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवॉल के लिए जाता था। हमारी सरकार ने वही पैसा मंदिरों की तरफ डायवर्ट किया है, क्योंकि कब्रिस्तान की नहीं, आस्था के केंद्र मंदिरों की जरूरत है।ष

अयोध्या की चिंता छोड़ें, अखिलेश को योगी की सलाह

योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि अयोध्या को राम भक्तों ने पहले ही पूरी तरह सजा और संवार दिया है। अब वे उसकी चिंता छोड़ें, अपने पुराने किए पर पश्चाताप करें और एक बार जाकर रामलला के दर्शन कर लें ताकि उन्हें थोड़ी सद्बुद्धि आए। सीएम ने चौलेंज देते हुए कहा, ष्अगर आप सचमुच खुद को धार्मिक दिखाना चाहते हैं, तो अब मथुरा–वृंदावन और श्री कृष्ण जन्मभूमि पर खुलकर बोलिए। कहिए कि राम जन्मभूमि आंदोलन की तरह कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का भी अभियान चलना चाहिए।ष

राम मंदिर दान पेटिका घोटालाः जिसने खाई राम की पाई, अखिलेश ने नए नारे से बीजेपी को घेरा

अखिलेश यादव ने प्रयागराज में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा पर तीखा हमला बोला है। अयोध्या और राम मंदिर के मुद्दे पर सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा विपक्ष पर किए गए हमलों का करारा जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बीजेपी आस्था के नाम पर सिर्फ श्धन और डोनेशनश की राजनीति कर रही है।

उन्होंने कहा कि जो लोग हमेशा नेशन फर्स्ट की बातें करते थे, आज उनके एक्शन से लग रहा है कि उनके लिए डोनेशन फर्स्ट ही सब कुछ बन चुका है। अखिलेश ने साफ किया कि समाजवादी लोग भी सनातन धर्म की रक्षा चाहते हैं, लेकिन इसकी आड़ में कोई गोरखधंधा या खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीजेपी के शब्दकोश में न ध र्म बचा है, न शर्म

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सपा प्रमुख ने अयोध्या की दान पेटी में हुई कथित गड़बड़ियों को लेकर बीजेपी को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा, ष्क्या कोई सोच भी सकता था कि लोगों की अटूट श्रद्धा और आस्था के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ होगा? यह पूरी तरह इनकी चतुराई और चालबाजी है।

अखिलेश ने मांग की कि अयोध्या के सीसीटीवी फुटेज सामने आने चाहिए ताकि जनता को पता चले कि कितनी बार कैमरों को बंद किया गया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब तो लोग कह रहे हैं कि सीसीटीवी का असली मतलब ही श्चंदा चोरी, चढ़ावा चोरीश हो गया है। यह बात गांव–गांव तक फैल चुकी है और गरीब महिलाएं अब पूछ रही हैं कि जब चढ़ावे की ही चोरी होनी है, तो हम दान क्यों दें?

अखिलेश का नया राइमिंग नाराः अखिलेश यादव ने इस पूरे मामले पर चुटकी लेते हुए एक नया और मजेदार नारा भी उछाला। उन्होंने कहा, ष्चोर–चोर सौतेले भाई, जिन्होंने चुराई राम की पाई, देखो जा रहा वो भाजपाई जिसने खाई राम की पाई।ष सपा प्रमुख ने कहा कि जो लोग हमेशा दूसरों पर झूठे आरोप लगाते थे, आज भगवान ने खुद उनकी इस बड़ी चोरी को पूरी दुनिया के सामने लाकर रख दिया है।

हिस्सा मांगने पर विधवा से मारपीट, जेवरात छीने

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के तेनुअन गांव में एक विधवा महिला के साथ मारपीट, जान से मारने की धमकी और सोने के आभूषण छीनने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गीडा थाना में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम तेनुअन निवासी श्याम दुलारी देवी पत्नी स्व. अंगद के पति का निधन लगभग 15 वर्ष पूर्व हो चुका है। उनके तीन बच्चे हैं। आरोप है कि पति के निधन के बाद जेठ–जेठानी ने उन्हें घर से निकाल दिया था, जिसके बाद वे अपने मायके में रहकर बच्चों का पालन–पोषण कर रही थीं। पीड़िता का आरोप है कि अब जब बच्चे बड़े हो गए तो वे 6 माह पहले वापस अपने पैतृक घर में रहने आईं। 27 जून 2026 की शाम करीब 6 बजे उनकी जेठानी गीता देवी और उनके बच्चों ने घर में आकर गाली–गलौज शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि इस घर में तुम्हारा कोई हिस्सा नहीं है, यहां से निकल जाओ विरोध करने पर आरोपियों ने श्याम दुलारी, उनकी बेटी और बेटे के साथ जमकर मारपीट की। आरोप है कि बेटी के साथ अभद्रता की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। बेटे को लाठी–डंडों से पीटकर घायल कर दिया गया, जिससे उसका सिर फट गया। इसी दौरान आरोपियों ने पीड़िता की बेटी के नाक–कान में पहने सोने के आभूषण भी छीन लिए। घटना के बाद पीड़िता ने गीडा थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर आरोपी जेठानी गीता देवी, उसकी तीन पुत्रियों और एक पुत्र के विरुद्ध नामजद तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

16 विद्यार्थियों ने सरकारी नौकरियों में लहराया सफलता का परचम

गोरखपुर। नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट बड़हलगंज के छात्र–छात्राओं ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा आयोजित श्एग्रीकल्चर टेक्निकल सहायकश की परीक्षा में अपना परचम लहराया है। 23 जून 2026 को घोषित परिणाम में कॉलेज के 18 छात्र–छात्राओं ने अंतिम रूप से सफलता प्राप्त की है। इससे क्षेत्र में खुशी की लहर व्याप्त है। कॉलेज के प्रबंधक पं. भीष्म शंकर तिवारी श्कुशलश ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इन बच्चों ने कॉलेज की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है। कॉलेज इन बच्चों को सम्मानित करेगा। जिन उद्देश्यों को लेकर कॉलेज की स्थापना हुई थी, उनको ये बच्चे चरितार्थ कर रहे हैं। उन्होंने कालेज के गुरुजनों,बच्चों, कॉलेज प्रशासन को हार्दिक बधाई दी। वहीं चिल्लूपार के पूर्व विधायक पं. विनय शंकर तिवारी ने इन छात्रों की उपलब्धियों को ऐतिहासिक क्षण बताया और ऐसी सफलता की परंपरा बनी रहे, उन्होंने इसकी अपेक्षा भी की। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार पाण्डेय ने इन छात्रों की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह छात्रों और गुरुजनों की कड़ी मेहनत का सामूहिक परिणाम है। इसके लिए छात्रों और गुरुजनों को बधाई। कॉलेज के मुखिया के नाते मेरा यह सतत प्रयास रहता है और रहेगा भी कि ऐसे परिणाम महाविद्यालय सदैव देता रहे। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य द्वारा मिठाईयां बाट कर खुशी मनायी गयी। सभी गुरुजनों ने खुशी व्यक्त करते हुए बच्चों को ढेर सारी बधाई दी। एजीटीएमें चयनित छात्र: हर्ष,रोहित शर्मा,आयुष मौर्य,हिमांशु नायक, सत्यांक प्रताप शाही,अखिलेश तिवारी, उत्कर्ष कनौजिया,आकाश अग्रवाल,ममता चौहान,विवेक मिश्रा,श्रेया मिश्रा,श्याम मोहन प्रजापति,माध ुरी मौर्या,पवन गोंड,विवेक कनौजिया,प्रिंस कुमार गोंड,विनय तिवारी एवं अजय कुमार।

उपखंड अधिकारी व अवर अभियंता की संयुक्त टीम ने घुघली में की सघन चेकिंग'

महराजगंज। जनपद के अंतर्गतआज घुघली मे विद्युत विभाग ने बकायादारों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। उपखंड

अधिकारी अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व और अवर अभियंता धर्मेंद्र कुमार भारद्वाज के निर्देशन में चार टीमों ने पूरे नगर में सघन चेकिंग की। चेकिंग के दौरान 25 उपभोक्ताओं की बिजली सप्लाई काटी गई जो लंबे समय से बकाया नहीं दे रहे थे और वही 1.5 लाख रुपये का बकाया राजस्व मौके पर ही वसूला गया। 4 उपभोक्तास्वीकृत भार से ज्यादा लोड चलाते पाए गए। इनके खिलाफ विभागीय नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की संस्तुति की गई। इस कार्रवाई से पूरे नगर में हड़कंप मच गया। इस संबंध में उपखंड अधिकारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि बिजली चोरी रोकने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। यह टीम रात में निगरानी और चेकिंग करेगी। बिजली चोरी करते पकड़े जाने पर विभागीय नियमों के तहत थ्र्दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से समय पर बिल जमा करने और स्वीकृत भार में ही बिजली उपयोग करने की अपील की है।

असमाजिक तत्वों का विद्यालय में तोड़फोड़, प्रधानाध्यापक पुलिस से की शिकायत

कुशीनगर। पटहेरवा थाना के असमाजिक तत्वों ने पूर्व माध यमिक विद्यालय मोगलपुरा के परिसर में खेलकूद व कमरों में भारी तोड़फोड़ कर नुकसान किया है।प्रधानाध्यापक ने पुलिस को शिकायत कर कार्यवाई की मांग की है। पटहेरवा के मोगलपुरा में स्थित संविलयन विद्यालय के परिसर इन दिनों असमाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है।आये दिन असमाजिक तत्व बाउंड्रीवाल टप कर विद्यालय परिसर में घुसकर रात में जुआ,शराब व अन्य असमाजिक गतिविधियां कर रहे है।जिसकी शिकायत प्रधानाध्यापक प्रदीप शुक्ल द्वारा विद्यालय प्रबंध के पदाधिकारियों व सदस्यों को पहले भी दी थी।लेकिन मुहर्रम की रात असामाजिक तत्वों ने विद्यालय परिसर में रात में घुस कर विद्यालय के कमरों के दरवाजा,खिड़की,पानी की टँकी टाईल्स व बाथरूम की टोटियां आदि तोड़ दी है।प्रधानाध यापक प्रदीप कुमार शुक्ल ने बताया है कि विद्यालय परिसर में रात में असमाजिक तत्वों की जमावड़ा होती है।जिससे विद्यालय की संपति व साजोसामान में लगातार तोड़फोड़ हो रहा है।थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार राय ने बताया कि शिकायत मिली है।जांच कर कार्यवाई होगी।

बहराइच पुलिस का बड़ा एक्शन : दो अलग–अलग मुठभेड़ों में दो इनामिया अपराधी घायल, भारी बरामदगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। देर रात थाना रामगांव और थाना कैसरगंज क्षेत्र में अलग–अलग स्थानों पर हुई मुठभेड़ों में दो शातिर इनामिया अपराधियों को पुलिस ने घायल अवस्था में गिरतार कर लिया। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन में स्वॉट टीम एवं स्थानीय पुलिस टीमों ने संयुक्त कार्रवाई की।पहली मुठभेड़ (थाना रामगांव क्षेत्र) में हुई जहां पर मुखबिर के द्वारा सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने भकला गोपालपुर रोड पर दो संदिग्ध मोटरसाइकिल सवारों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक अभियुक्त के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। घायल अभियुक्त की फिरोज पुत्र फौजदार (थाना बौंडी) के रूप में हुई। उसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, नकदी एवं आभूषण बरामद किए गए। दूसरी मुठभेड़ (थाना कैसरगंज क्षेत्र) में हुई जहां पर फरार अभियुक्त की तलाश में चल रही कांबिंग के दौरान कैसरगंज क्षेत्र में पुलिस टीम ने एक अन्य संदिग्ध को रोका। इस पर उसने भी पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में मुल्कराज पुत्र श्याम बिहारी घायल हो गया और उसे गिरतार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्तों का जनपद बहराइच सहित लखनऊ, श्रावस्ती और गोण्डा में दर्जनों चोरी एवं अन्य गंभीर मामलों में लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। मुल्कराज पर ध्50,000 का इनाम भी घोषित था और दोनों आरोपी थाना बौंडी के हिस्ट्रीशीटर हैं। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के कब्जे से तमंचा .315 बोर, जिंदा एवं खोखा कारतूस, नगदी, मोबाइल फोन तथा चोरी के आभूषण बरामद किए हैं। घटनास्थल का निरीक्षण वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। दोनों घायलों को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है तथा फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें लगातार कांबिंग कर रही हैं।

लौकहवा डिप पर पुल निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

हर्रैया सतघरवा (बलरामपुर)। सतघरवा विकासखंड के हरिहरगंज–ललिया–बनकटवा मार्ग स्थित लौकहवा डिप पर पुल निर्माण की मांग को लेकर रविवार को पूर्व सांसद प्रत्याशी एवं समाजसेवी युगल किशोर शुक्ल एडवोकेट के नेतृत्व में क्षेत्रीय लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजकर जल्द पुल निर्माण कराने की मांग की गई।ज्ञापन में कहा गया है कि हर्रैया सतघरवा विकासखंड के हरिहरगंज–ललिया–बनकटवा मार्ग के किलोमीटर–11 पर स्थित लौकहवा डिप पर पुल न होने से बारिश और बाढ़ के दौरान हेंगहा, डोरवा, गौरैय्या और चकैया जैसे नालों का पानी सड़क पर बहने लगता है। इससे आवागमन बाधित हो जाता है और लाखों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जलभराव के कारण सड़क का हिस्सा संकरा और खतरनाक हो जाता है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में कई लोग हादसों का शिकार हो चुके हैं।

यह मार्ग ललिया थाना, हर्रैया सतघरवा ब्लॉक मुख्यालय, शिवपुरा तथा भारत–नेपाल सीमा पर स्थित एसएसबी और सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग के बनकटवा रेंज के कर्मचारियों के लिए भी प्रमुख संपर्क मार्ग है।युगल किशोर शुक्ल ने कहा कि लौकहवा डिप पर पुल बनने से क्षेत्र के लाखों लोगों को वर्षभर सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी और बरसात के समय होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी। प्रदर्शन में मनमोहन तिवारी, .ष्णा राम, अमरेश, राकेश, काशी राम, जयशंकर, महेश, रामनिवास, पन्नालाल, शाहिद, दिनेश, इरफान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विशेश्वरगंज में कांग्रेस सेवादल का ध्वज वंदन कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

विशेश्वरगंज। ब्लॉक कांग्रेस सेवादल विशेश्वरगंज के तत्वावधान में माह के अंतिम रविवार को ग्राम पंचायत सुल्तानामाफी में ध्वज वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन ब्लॉक मुख्य संगठक मूलचंद गिरि ने किया। ध्वजारोहण वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनय सिंह द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जनाब एम. शफीक ने किया।कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस हाईकमान द्वारा राजेन्द्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रभारी तथा वी. श्रीनिवासन को अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार भी व्यक्त किया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनय सिंह ने अपने संबोधन में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की जनता भ्रष्टाचार, महंगाई एवं बेरोजगारी से परेशान है तथा कांग्रेस ही एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है।उन्होंने आगामी चुनावों में कांग्रेस को मजबूत बनाने और पार्टी की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही सपा और भाजपा दोनों पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने की अपील की।कार्यक्रम में लालजी गिरि, दुर्गेश सिंह, भवानी बाबा, पुनीत सोनी, संजय सिंह, सुनील कुमार मिश्र, चन्द्र कुमार मिश्र, उदय प्रताप निषाद सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने तिरंगे के इतिहास और उसके महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।अंत में राष्ट्रध्वज को सलामी देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

पयागपुर में दवा बिक्री प्रतिबंध के खिलाफ फार्मासिस्टों में रोष, प्रीतम शुक्ला ने जताई चिंता

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच।सरकार द्वारा हाल ही में सिरप और कुछ गंभीर एंटीबायोटिक दवाओं की बिना पर्ची बिक्री पर लगाए गए कथित सख्त प्रतिबंध के बाद जनपद बहराइच के फार्मासिस्ट समुदाय में नाराजगी देखने को मिल रही है। मामला पयागपुर क्षेत्र से भी जुड़ता नजर आ रहा है, जहां स्थानीय फार्मासिस्ट और सामाजिक कार्यकर्ता प्रीतम शुक्ला ने इस फैसले को लेकर गंभीर आपत्ति जताई है। पयागपुर क्षेत्र के फार्मासिस्ट प्रीतम शुक्ला का कहना है कि इस तरह के प्रतिबंधों से न केवल फार्मासिस्टों की आजीविका प्रभावित होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि "एक छात्र 10 से 12 लाख रुपये खर्च करके डी.फार्मा या बी.फार्मा की पढ़ाई करता है, लेकिन नए नियमों के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि फार्मासिस्टों की भूमिका को सीमित कर केवल सामान्य उत्पादों की बिक्री तक सीमित करने की कोशिश हो रही है। यह योग्य पेशेवरों के सम्मान के साथ अन्याय है।"शुक्ला ने दावा किया कि बहराइच के ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में डॉक्टरों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की उपलब्धता सीमित है। ऐसे में फार्मासिस्ट ही अक्सर स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य सलाह और दवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके अनुसार, छोटे कस्बों और गांवों में लोग बुखार, खांसी और सामान्य संक्रमण जैसी समस्याओं के लिए सीधे फार्मासिस्टों पर निर्भर रहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नियम इसी तरह सख्त रहे तो छोटे और मध्यम स्तर के मेडिकल स्टोर संचालकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है, जिससे कई परिवारों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। प्रीतम शुक्ला ने सरकार से मांग की है कि फार्मासिस्टों की शैक्षणिक योग्यता को ध्यान में रखते हुए उन्हें कुछ आवश्यक दवाओं के वितरण में सीमित अधिकार या विशेष छूट दी जाए। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों की परिस्थितियों को देखते हुए नियमों में व्यावहारिक ढील देने की अपील की गई है, ताकि गरीब मरीजों को तत्काल राहत मिल सके।

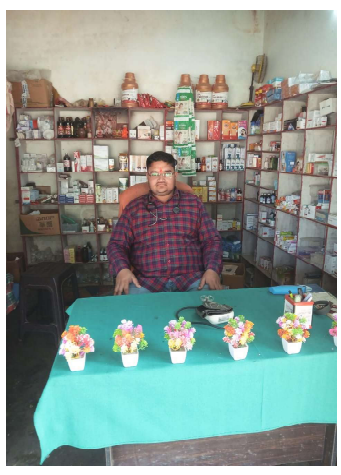

23 वर्षीय युवती ने खाया जलहरीला पदार्थ खाने से हालत गंभीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र लोटन के पनेरी के रहने वाली मनिषा गुप्ता पत्नी विनय गुप्ता उम्र लगभग 23 वर्ष ग्राम का किसी बात को लेकर सांस से कहासुनी होगयी थी।उसी से नराज हो कर महिला ने किटनाशक दवा पी लिया घटना लगभग 12बजे रविवार दिन की है। पति चौराहे पर निजी काम से गया था। जानकारी होते ही सीएचसी लोटन इलाज के लिए लाया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

लंगरे इमामे हुसैन बनकटा गौरियनडीह महादेव मिश्र मे जनप्रतिनिधि ने की शिरकत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद में इमामे हुसैन बनकटा गौरियनडीह

महादेव मिश्र मे जनप्रतिनिधि ने की शिरकत शिरोमणि वर्मा सांसद श्रावस्ती ,शाबान अली पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बलरामपुर,शान मोहम्मद सभासद नहर बाला गंज, सफीक सभासद नई बस्ती,समाजसेवी हसन अली युवा नेता मोहम्मद आजम ,सैयद अली ,लडंन मिस्त्री ,मकदूम अली,चांद अली ,वाजिद अली ,वारिस अली , मोहरम विधायक ,महिफ पाल ,अशोक कुमार पाल, पप्पू बिल्डिंग , रितेश यादव ,मोहम्मद असलम ,मोहम्मद रफीक, शबान उल्लाह, जाहिद अली, साजिद अली सहित सैकड़ो लोगों ने लंगरे इमाम हुसैन शिरकत कर देश व प्रदेश की भाईचारा व खुशहाली के लिए दुआ की।

ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर दो दिवसीय धार्मिक आयोजन आज से, शोभायात्रा से होगा शुभारंभ

तमकुही राज कुशीनगर । तमकुही विकास खंड के सेमरा हर्दोमट्टी के बेलही कुटी स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर में ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर दो दिवसीय धार्मिक आयोजन सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजक व महंत बाबा बालक दास उर्फ श्यामदास ने बताया कि सोमवार को सुबह नौ बजे शोभायात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद शाम छह बजे से रात्रि 12 बजे तक अखंड संकीर्तन व भजन–कीर्तन होगा। बताया कि मंगलवार को हनुमंत आराधना, सुंदरकांड पाठ, भजन–कीर्तन, प्रसाद वितरण व महाभंडारा आयोजित किया जाएगा।

सीएमओ ने किया पोलियो बूथों का औचक निरीक्षण, छूटे बच्चों को घर–घर जाकर दवा पिलाने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में चल रहे पल्स पोलियो अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. संजय कुमार शर्मा ने रविवार को पयागपुर विकासखंड के खुंटेहना एवं बनकटा ग्राम स्थित पोलियो बूथों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वास्थ्यकर्मियों को अभियान को शत–प्रतिशत सफल बनाने के निर्देश दिए।सीएमओ ने कहा कि 5 वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाई जाए, ताकि कोई भी बच्चा इस महत्वपूर्ण अभियान से वंचित न रह सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीमों को घर–घर जाकर छूटे हुए बच्चों को चिन्हित करने तथा उन्हें पोलियो की दवा पिलाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान बूथों पर दवा की उपलब्धता, वैक्सीन कैरियर, उंगली एवं घरों की मार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। सीएमओ ने स्वास्थ्यकर्मियों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए अभियान को पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ संपन्न कराने की अपील की।उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए जनसहयोग बेहद आवश्यक है और सभी अभिभावक अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं, जिससे उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके।

मातृ शक्ति सम्मान अभियान में महिलाओं को साड़ी भेंट कर किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कनुवाडीह के टोला केसारा गांव में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश के 35वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। इसके उपरांत मातृ शक्ति सम्मान अभियान के तहत महिलाओं को साड़ियां भेंट कर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का श्मन की बातश कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। वहीं युवा भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने महिलाओं को साड़ी भेंट कर सम्मानित करते हुए कहा कि मातृ शक्ति का सम्मान भारतीय संस्कृति की पहचान है। महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।श्याम जायसवाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने के साथ–साथ उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का भी प्रभावी माध्यम हैं।

उन्होंने बताया कि मातृ शक्ति सम्मान अभियान के तहत ऐसे कार्यक्रम शोहरतगढ़ विधानसभा के सभी 60 सेक्टरों में आयोजित किए जाएंगे।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं की उपस्थिति रही। इस दौरान महिलाओं को साड़ियों का वितरण एवं गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म पूरी की गई, साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं के बारे में जागरूक किया तथा उनसे संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई।प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश सिंह, सांसद जगदंबिका पाल,भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पूर्व सभी ने प्रधानमंत्री के मन की बात को ध्यानपूर्वक सुना और उपस्थित लोगों से सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं की उपस्थिति रही। इस दौरान महिलाओं को साड़ियों का वितरण एवं गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म पूरी की गई, साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं के बारे में जागरूक किया तथा उनसे संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई।प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री का श्मन की बातश कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने, जनभागीदारी बढ़ाने और देश के प्रेरणादायक कार्यों से लोगों को जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। सांसद ने ग्रामीणों से सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और विकास कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री फूलचंद जायसवाल, जिला महामंत्री फतेह बहादुर सिंह, पूर्व जिला महामंत्री विपिन सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख रामदेव,पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा लाल बाबा, मनोज बाबा , बीडीओ रामानंद बर्मा, एडीओ पंचायत प्रदीप सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने किया नव–निर्मित लाइब्रेरी का उद्घाटन, मिलेगा बेहतर अध्ययन केंद्र– रवि अग्रवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शिक्षा के प्रसार और अध्ययन की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में नगर पंचायत शोहरतगढ़ के राम जानकी नगर मोहल्ले में एक नई पहल की गई। राधेश्याम वर्मा के आवास परिसर में नव–निर्मित आधुनिक लाइब्रेरी का उद्घाटन चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने फीता काटकर किया। उद्घाटन से पूर्व श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में अखंड रामायण पाठ का आयोजन हुआ, जिसके बाद विधि–विधान से पुस्तकालय का लोकार्पण किया गया।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं होता, बल्कि यह ज्ञान, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता का सशक्त केंद्र होता है। उन्होंने भगवान श्रीराम से प्रार्थना करते हुए कहा कि यह पहल क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं सभी पाठकों के लिए प्रेरणादायी और लाभकारी सिद्ध हो।शिक्षक नेता रामबिलास यादव ने कहा कि शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में पुस्तकालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने बताया कि यह आधुनिक लाइब्रेरी 77 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। इससे विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं तथा अन्य पाठकों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने अखंड रामायण पाठ में सहभागिता कर क्षेत्र की सुख–समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर शिक्षक नेता रामबिलास यादव, मोनू त्रिपाठी, राधेश्याम वर्मा सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मन की बात कार्यक्रम में सांसद जगदंबिका पाल और रमेश सिंह ने किया जनजागरण का आह्वान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के नगरा गांव में रविवार को प्रधानमंत्री के श्मन की बातश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश सिंह, सांसद जगदंबिका पाल,भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पूर्व सभी ने प्रधानमंत्री के मन की बात को ध्यानपूर्वक सुना और उपस्थित लोगों से सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं की उपस्थिति रही। इस दौरान महिलाओं को साड़ियों का वितरण एवं गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म पूरी की गई, साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं के बारे में जागरूक किया तथा उनसे संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई।प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री का श्मन की बातश कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने, जनभागीदारी बढ़ाने और देश के प्रेरणादायक कार्यों से लोगों को जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। सांसद ने ग्रामीणों से सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और विकास कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री फूलचंद जायसवाल, जिला महामंत्री फतेह बहादुर सिंह, पूर्व जिला महामंत्री विपिन सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख रामदेव,पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा लाल बाबा, मनोज बाबा , बीडीओ रामानंद बर्मा, एडीओ पंचायत प्रदीप सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एसडीएम के पेशकार पर भ्रष्टाचार के आरोप, डीएम से निष्पक्ष जांच की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी, सिद्धार्थनगर।तहसील शोहरतगढ़ में तैनात एसडीएम के पेशकार पर भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए एक शिकायत जिलाधिकारी को सौंपी गई है। शिकायतकर्ता गौरीशंकर तिवारी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बंटवारा वाद में पारित आदेश के अनुपालन के नाम पर धनराशि की मांग की गई। आरोप है कि मांग पूरी न होने पर बिना हस्ताक्षर वाला प्रार्थना पत्र अभिलेख पर लगाकर आदेश निरस्त करा दिया गया।शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि तहसील से संबंधित अभिलेखों एवं फाइलों का कार्य निजी व्यक्तियों से कराया जा रहा है। साथ ही पेशकार की चल एवं अचल संपत्तियों की जांच कराए जाने की भी मांग जिलाधिकारी से की गई है। शिकायत पत्र जिलाधिकारी को सौंप दिया गया है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले की वास्तविक स्थिति प्रशासनिक जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

मन की बात के 135वें एपिसोड का प्रसारण, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रमेश सिंह का हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम श्मन की बातश के 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण रविवार को कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या–420 पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रमेश सिंह रहे। उनके उसका बाजार आगमन पर सांसद जगदंबिका पाल ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनका पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया।कार्यक्रम में नगर पंचायत उसका बाजार के चेयरमैन प्रतिनिधि हेमंत जायसवाल, मंडल अध्यक्ष राकेश आर्य, सभासद दिलीप सिंह, पवन जायसवाल सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना और संगठन को मजबूत बनाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

खेसरहा पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार महिला के ध्48 हजार कराए वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। थाना खेसरहा पुलिस की साइबर सेल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यूपीआई के माध्यम से हुई साइबर ठगी का शिकार महिला के खाते में 48 हजार रुपये वापस कराए। धनराशि वापस मिलने पर पीड़िता ने पुलिस टीम का आभार जताया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर जनपद में साइबर अपराध की रोकथाम एवं साइबर फ्रॉड की धनराशि रिकवरी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना खेसरहा साइबर सेल ने यह सफलता हासिल की।जानकारी के अनुसार, ग्राम कैथवलिया निवासी नेहा पत्नी पंकज ने 12 जून 2026 को एनसीआरपी (छब्ब्) पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि यूपीआई के माध्यम से उनके साथ 48 हजार रुपये की साइबर ठगी हो गई है। शिकायत मिलने के बाद थाना खेसरहा साइबर सेल ने संबंधित बैंक के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद शनिवार को पूरी धनराशि पीड़िता के बैंक खाते में वापस करा दी गई।धनराशि वापस मिलने पर शिकायतकर्ता ने खेसरहा पुलिस और साइबर सेल टीम का धन्यवाद व्यक्त किया तथा पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।सराहनीय भूमिका निभाने वाली टीम में थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा, साइबर सेल प्रभारी राघवेंद्र प्रताप यादव, कांस्टेबल देवेश मिश्रा तथा कांस्टेबल अभिषेक मौर्य शामिल रहे।

कोर्ट में मामला, फिर भी ढहा दिया मकान, सिद्धार्थनगर में जेसीबी से गरीब का आशियाना ध्वस्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। जनपद सिद्धार्थनगर के थाना शिवनगर डिड़ई क्षेत्र के असनार खास गांव में शनिवार सुबह कथित दबंगई का एक गंभीर मामला सामने आया। पीड़ित अफजल ने आरोप लगाया है कि जमीन का विवाद न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद विपक्षी मन्नान और उसके पुत्र ने जेसीबी मशीन से उसका मकान ढहा दिया।पीड़ित के अनुसार घटना के समय पूरा परिवार घर के अंदर सो रहा था। जेसीबी की आवाज सुनकर किसी तरह सभी लोग बाहर निकले और उनकी जान बच गई, जबकि घर में रखा घरेलू सामान मलबे में दब गया। घटना के बाद तत्काल डायल–112 पर सूचना दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची।अफजल ने थाना शिवनगर डिड़ई में तहरीर देकर आरोप लगाया कि मकान गिराने के साथ आरोपियों ने गाली–गलौज की और जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 51/2026 दर्ज करते हुए बीएनएस की धारा 324(5), 352 एवं 351(3) के तहत अभियोग पंजी.त किया तथा आरोपियों का धारा 170 बीएनएसएस के तहत चालान कर दिया।हालांकि पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना की गंभीरता के अनुरूप कार्रवाई नहीं की गई और हल्की धाराएं लगाकर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया गया। परिवार ने निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है।मामले में उपजिलाधिकारी शशांक शेखर राय ने बताया कि बिना किसी न्यायालय के आदेश के जेसीबी से मकान गिराया गया है। वहीं थाना प्रभारी बृजेश सिंह ने कहा कि मकान गिराने में प्रयुक्त जेसीबी पुलिस की अभिरक्षा में है। मामले की विवेचना की जा रही है और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों के भविष्य निर्माण में विद्यालयों की भूमिका अहम: जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। राष्ट्रीय प्रबंधक संघ के तत्वावधान में रविवार को सनराइज पब्लिक स्कूल, खेसरहा में जिला अधिवेशन का आयोजन किया गया। अधिवेशन में संगठन की नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें शैलेश पाण्डेय को जिलाध्यक्ष, अमित पाण्डेय को महामंत्री तथा सुधाकर त्रिपाठी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र प्रदान करते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य निर्माण में विद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है और निजी विद्यालय भी ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।सांसद ने नवगठित टीम से संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए अपने दायित्वों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज के विकास और मजबूती के लिए संगठनों की सक्रिय भूमिका आवश्यक होती है।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. गौरव गोस्वामी और राजेश सिंह ने भी शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारियों और संगठन की भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और मजबूत बनाने की अपील की।इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष लालजी त्रिपाठी, शिवेंद्र द्विवेदी, .ष्णचंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यालय प्रबंधक, शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

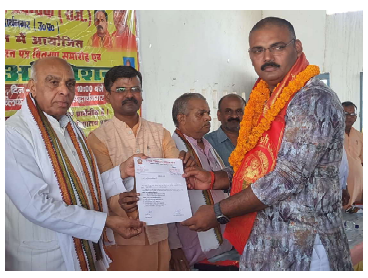

यातायात नियमों के बारे में किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। रविवार को ग्राम पंचायत लक्षनपुर में उसका बाजार की पुलिस ने यातयात नियमों के बारे में किया जागरूक । उपनिरीक्षक अरविंद दूबे ने लोगों को बताया कि यातायात के नियम सड़क पर आपकी और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी हैं। इनका पालन न करने पर भारी जुर्माना या दुर्घटना का खतरा हो सकता है। कहा कि हमेशा वाहन धीमी गति से ही चलाए । शराब पीकर कभी भी वाहन न चलाए उसके साथ ही मोबाइल प्रयोग करते हुए वाहन न चलाने का भी सलाह दिया गया । ग्राम प्रधान प्रतिनिधि उमेश पांडेय के द्वारा स्ट्रीट लाईट भी लगाया गया । इस दौरान सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

सम्पादकीय

उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय–सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकश्वर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र अश्वडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से ...

चढ़ावे की चोरी के दोषी बख्शे न जाएं

अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए दान और कीमती सामान की हेराफेरी की घटनाओं ने देश–विदेश के रामभक्तों को विचलित किया है। कभी आमजन में कहा जाता था कि 'भगवान से डर', लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी–चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन–फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा। निस्संदेह, इस प्रकरण से राम भक्तों की आस्था को गहरी चोट तो पहुंची है। सवाल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी पर भी उठेंगे कि उसने समय रहते इस चोरी को क्यों नहीं पकड़ा। बेहतर होता कि दोषियों के खिलाफ ट्रस्ट की तरफ से स्वतरू प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाती। सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर क्यों ट्रस्ट चंदे की रकम का हिसाब–किताब विश्वसनीय तरीके से नहीं रख पाया। निश्चय ही इस प्रकरण से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की साख भी दांव पर लगी है। वह उन भक्तों की भावनाओं की रक्षा नहीं कर पाया, जिन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर अब तक दिल खोलकर दान दिया। जब चंदा प्रबंधन से जुड़े लोगों के घर से लाखों की नकदी बरामद हुई और चोरी के पैसे से जमीन खरीदने के आरोप सामने आए तो भक्तों की आस्था पर आंच आना स्वाभाविक ही है। आरोप सिर्फ नकदी के हेरफेर के ही नहीं बल्कि कीमती गहनों को खुर्दबुर्द करने के भी लगे। वहीं प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के दौरान दान में मिली चांदी की छड़ों के गायब होने का भी आरोप है। बहरहाल, 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले सामने आए इस विवाद ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष जहां दोषियों पर समय रहते कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है, वहीं भाजपा इन आरोपों को अयोध्या को बदनाम करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश बता रही है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि जिन भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए पांच सौ साल तक इंतजार किया, उन्हें एसआईटी जांच अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने का इंतजार करना चाहिए। उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय–सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र ऑडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह प्रकरण देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में चंदे के प्रबंधन में पारदर्शिता व सतर्कता की मांग करता है। चंदे का नियमित ऑडिट किया जाना, तकनीक आधारित प्रबंधन, डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र निगरानी वाले आधुनिक सिस्टम की जरूरत को दर्शाता है। निस्संदेह, राम मंदिर भारत व विदेशों में बसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आकांक्षा का प्रतीक है। श्रद्धालुओं का भरोसा बनाये रखने के लिये हर आक्षेप की पारदर्शिता से जांच जरूरी है।

सद्गुरु सर्वोच्च सहयोगी

सद्गुरु जीवन शिक्षक होता है, जो स्वयं जीवन जी कर ऐसे पद–चिन्ह छोड़ जाता है जिन पद–चिन्हों पर चलकर आनंद की अवस्था प्राप्त होती है। जिसके पद–चिन्हों का अनुकरण व अनुसरण करके गुरसिख कमल की भांति निर्लेप जीवन जी सकता है। सद्गुरु स्वयं भी सहज व आनंद में रहता है। दुरूख–सुख, खुशी–गम, लाभ–हानि, मान–अपमान आदि से कहीं ऊपर है आनंद की अवस्था, जहां सद्गुरु अपने शिष्यों को देखना चाहता है, इसके लिए सदा सकारात्मक सोच व भावनाओं को अपनाने की प्रेरणा देता है। ऐसा तब ही संभव है जब निराकार को सदैव अंग–संग महसूस किया जाए। जैसे सुगंधि निराकार रूप में सदा होती है परंतु साकार फूलों द्वारा ही प्रकट होती है। ऐसे ही बरकतें एवं आशीर्वाद निराकर रूप में चाहे व्यापक है परंतु साकार सद्गुरु द्वारा ही प्रकट होकर हर प्राणी तक पहुंचते हैं, विशेषतरू गुरसिखों के पास। इसलिए गुरसिख अपने जीवन में सद्गुरु का स्थान किसी और को नहीं देता। शरीर के बाह्य सौंदर्य के साथ–साथ मन की पवित्रता (जो आत्मज्ञान से संभव है) का होना भी जरूरी है। ब्रह्मज्ञान भक्ति की बुनियाद है, मंजिल नहीं। ब्रह्मज्ञान के पश्चात सभी में सर्व व्यापक ज्योति का एहसास ही भक्त को 'एकत्व' की मंजिल तक ले जाता है। यही अध्यात्म की अंतिम मंजिल है जहां तू और मैं का भेद मिट जाता है और यह भाव प्रकट होता है।

धन गुरु ते धन गुरसिख ने, जो इकमिक हो जांदे ने।
पांदे ने अवतार नाम जो अपना–आप गंवादे ने।

हमारे शरीर के बंधन, कर्म के बंधन को जो भी हमें समझा दे, हमारे भीतर आत्म तत्त्व को जगा कर परमात्मा के साथ जोडने की यात्रा में हमारा सहयोगी और सहभागी बन जाए वह केवल सद्गुरु ही हो सकता है। सद्गुरु स्वयं नहीं कहता कि मैं सद्गुरु हूं उसका हर कर्म बोलता है, उसका दिव्य प्रकाश संसार को आलोकित करता है, उसकी वाणी में परमात्मा की धुन सुनाई देती है। वह सबकी बिन कहे सुनता है। उसकी आंखों से प्राणमय ऊर्जा प्रवाहित होती है जो सभी को जीवन जीने के उद्देश्य देती है। जीवन का मूल आधार समझने की शक्ति देती है, हृदय में संपन्नता पैदा करती है। उसकी दृष्टि संसार के हर प्राणी पर पड़ती है जो उसको जानते, पहचानते हैं या नहीं जानते पहचानते।

सद्गुरु स्वयं नहीं बोलता जो उसमें बोलता है वही सद्गुरु होता है, वह परमात्मा होता है, निराकार होता है, शिव होता है, कल्याणकारी होता है, सर्व मानवता का होता है। हम अपनी इच्छा से सद्गुरु का आकलन करते हैं। हमारी इच्छा की पूर्ति हो तो सद्गुरु ठीक अन्यथा वह भी एक सामान्य व्यक्ति। फिर हमारी बुद्धि, मन, चेतना हम पर सवार हो जाती है क्योंकि हम तो अपने हाथों ही इनके दास होते हैं और अपने मालिक का हुक्म मानना आरंभ कर देते हैं। हमारे सारे भेद अलग हमारे अनुसार ही चलते रहते हैं। परमात्मा की रजा और उसकी बातें भी साथ–साथ करते हैं परंतु यह क्या ये तो बातें हैं, बातों का क्या? बातों–बातों में ही हम किसी को सद्गुरु बना देते हैं और उसी तरह उसको, समय, स्थान, वातावरण, हालात के चलते, अपने विचारों के अनुकूल कुछ भी नाम दे देते हैं। सद्गुरु केवल सद्गुरु ही होता है।

भरत एनकाउंटर : देश यहां तक पहुंचा कैसे?

उसे सुरक्षित रहने के लिये अब इतना ही पर्याप्त नहीं रह गया है कि वह भाजपा का वोटर हो। यदि वह सत्ता से सवाल करेगा तो उसे भाजपा या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यकर्ता होने से कोई छूट नहीं मिल जायेगी। अब तक अन्य जातियों एवं सम्प्रदायों के एनकाउंटर, उनकी मश्वब लिंचिंग तथा उनके घरों पर बुलडोजर चलता देखकर खुश होने वाले सवर्ण आज चाहे आंसू बहा रहे हों परन्तु इस सड़क पर न्याय के खिलाफ...

बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले बिलौटी नामक गांव के एक युवा भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर को लेकर देश भर में कुहराम मचा हुआ है। गंगा के बाढ़ से हर साल होते कटाव के कारण होने वाली लोगों की समस्याओं और ऐसे ही जनसरोकार के अन्य मुद्दों को लेकर प्रशासन और सरकार तक जनता की बात पहुंचाने के लिये अपने इलाके में मशहूर यह नवयुवक जिन परिस्थितियों में पुलिस द्वारा कथित एनकाउंटर में मारा गया, उसे लेकर सवाल उठने लाजिमी हैं। पिछले दो दिनों से पूरा देश, विशेषकर दो बड़े हिन्दी भाषी राज्य (बिहार–उत्तर प्रदेश) सुलग उठे हैं। बिहार में तो जगह–जगह सरकार व पुलिस के खिलाफ लोग विरोध–प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे राज्य सरकार को उसकी उच्चस्तरीय जांच के आदेश देने पड़े हैं।

यह एनकाउंटर बेहद संदिग्ध हालत में हुआ है– बावजूद इसके कि उसे लाखों ने सोशल मीडिया पर लाइव देखा। पहले तो पुलिस ने उसे मानसिक रूप से असंतुलित बताया। फिर बड़ी संख्या में उसके गांव व घर को घेर लिया। हालांकि भरत ने अपना पिस्टल सरेंडर के रूप में पुलिस को सौंप दिया था। इसके बाद भी उसे चार गोलियां मारी गयीं। इतना ही नहीं, पुलिस ने उसके परिजनों तथा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ रिपोर्ट लिखकर उन्हें गिरफ्तार कर दिया। सवाल यह है कि क्या देश में यह पहला एनकाउंटर था

जिसे लेकर लोग सुलग उठे हैं। ऐसा बिलकुल नहीं है। 2014 में केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीन बार बनी सरकारों की इसे देन कहा जा सकता है। घोषणापत्र में किये गये वादे पूरे हों या नहीं, कुछ होने पर उसकी जवाबदेही किसकी हो– यह तय करने की जहमत उठाने की जरूरत नहीं तथा उपलब्धि के नाम पर आधारहीन आंकड़े और विपक्ष को गालियां देकर यदि सत्ता में बने रहा जा सकता है तो मोदी एवं उनकी भाजपा के लिये कोई जरूरत ही नहीं रह जाती कि वे उम्दा प्रदर्शन करें तथा सकारात्मक नतीजे दें जो लोगों के जीवन में सुधार लाएं। जिन राज्यों में भाजपा की कथित डबल इंजिन की सरकारें हैं वहां विकास के नाम पर तो कुछ खास उपलब्धियां नहीं दिखलाई पड़तीं, उल्टे नुकसान यह हुआ है कि सरकार के विरूद्ध आवाज उठाने की गुंजाइशें बन्द हो गयी हैं। ऐसे राज्यों की बदहाली, अराजकता और हिंसा के खिलाफ कहीं भी शिकायत नहीं होती। एक राज्य खोने के डर से केन्द्र ऐसे राज्यों के कुशासन को और प्रश्रय और बढ़ावा देता है। इन 12 वर्षों में अब सरकार को जनअसंतोष की चिंता करने की जरूरत नहीं रह गयी है क्योंकि अब भाजपा के पास चुनाव जीतने की मुकम्मल व्यवस्था है– फिर कोई उसे वोट दे या नहीं। हर राज्य में एसआईआर के जरिये भाजपा ने अपनी जनता चुन ली है। विरोधी वोट काट दिये गये हैं और समर्थक मतदाताओं को बनाये रखा गया है। यह हेरा–फेरी इतने बड़े पैमाने पर की गयी है कि उसके असर से विरोधी दलों के लिये सत्ता को हराना बहुत आसान हो गया है। भाजपा की चुनावों में एंट्री बढ़त के साथ होती है, जिसकी भरपायी में ही गैर–भाजपायी दलों को अपने काफी कम संसाधनों को झोंक देना पड़ता है। बिहार एवं पश्चिम बंगाल में जो कुछ हुआ वह तो झांकी है। यह पैटर्न उन सभी राज्यों में अपनाया जायेगा जहां चुनाव होने वाले हैं या होंगे। इस सबके चलते हिन्दुस्तान का बड़ा हिस्सा इस हिंसा और अपराध के जातिकरण के शिखर पर जा पहुंचा है। बड़ी तादाद में हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा इसी जातीय अहंकार और हिंसा के इर्द–गिर्द विकसित हुई है। हिन्दू राष्ट्र में ऐसा नहीं कि केवल अल्पसंख्यक, दलित ओबीसी, आदिवासी ही मारे जायेंगे या प्रताड़ित होंगे– स्वयं सवर्ण हिन्दू इस हिंसक विचारधारा की जद में आ चुके हैं। उसे सुरक्षित रहने के लिये अब इतना ही पर्याप्त नहीं रह गया है कि वह भाजपा का वोटर हो। यदि वह सत्ता से सवाल करेगा तो उसे भाजपा या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यकर्ता होने से कोई छूट नहीं मिल जायेगी। अब तक अन्य जातियों एवं सम्प्रदायों के एनकाउंटर, उनकी मॉब लिंचिंग तथा उनके घरों पर बुलडोजर चलता देखकर खुश होने वाले सवर्ण आज चाहे आंसू बहा रहे हों परन्तु इस सड़क पर न्याय के खिलाफ आवाजें उठाने वाले काफी पहले से लोगों तथा सरकारों को चेता रहे थे कि यह रास्ता बर्बादी की ओर जाता है। तब ऐसे लोगों को देशद्रोही, हिन्दूविरोधी, पाक–परस्त आदि न जाने क्या–क्या कहा जाता था। अंततरू वह दिन आ ही गया कि जो कार्यपालिका को न्यायिक अधिकार सौंपने के हो सकते हैं।

शिक्षा पर जागरुक हुआ समाज

{ गौरतलब है कि शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए शुरु किया गया आंदोलन सांप्रदायिक सौहार्द्र भी बढ़ा रहा है। वहीं दिपके ने इस आंदोलन से किसानों को भी जुड़ने की अपील की थी। अब भारतीय किसान यूनियन के चढ़ूनी समूह ने ऐलान किया है कि युवाओं के भविष्य और उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए भाकियू कॉकरोच जनता पार्टी का समर्थन करेगा। मोदी सरकार और भाजपा की रणनीति के ... }

21 जून को नीट का पेपर दोबारा हो गया और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी इस बात का श्रेय ले सकती है कि इस बार पेपर लीक नहीं हुए। मोदी सरकार यह दावा कर सकती है कि धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लिए बिना उसने फिर से पेपर करवाए और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा जैसा अहम मुद्दा बनाते हुए वायुसेना को प्रश्नपत्र पहुंचाने के काम में लगाया गया। शायद ही दुनिया के किसी और देश ने ऐसा दृश्य देखा हो, जो भारत में देखा गया कि वायुसेना के जहाजों में परीक्षा प्रश्नपत्र आए और पुलिस वाले कड़ी सुरक्षा में उन्हें केंद्रों तक ले गए। इसे जो लोग मोदी सरकार के प्रशासन की सख्ती और कड़े फैसले लेने की क्षमता समझ रहे हैं, वे एक बार यह भी सोचें कि पेपर लीक करवाने वाला माफिया कितना ताकतवर है, जिससे निपटने के लिए वायुसेना को मैदान में उतारना पड़ा। इस बात पर भी विचार कर लेना चाहिए कि आखिर ऐसे आपराधिक तत्वों की ताकत किस तरह इतनी बढ़ गई। क्या सरकार और तमाम जांच एजेंसियों का इतना भी इकबाल बाकी नहीं रहा है कि वे सड़क मार्ग से प्रश्नपत्र ले जा सकें या फिर अब यह पेपर लीक माफिया को चुनौती है कि हिम्मत है तो हवा में पेपर चुरा कर दिखाओ। खैर नीट का पेपर दोबारा हो गया और इसमें जो बच्चे बैठ पाए अब उनका भविष्य क्या होगा, यह परिणाम आने पर पता चलेगा। लेकिन 3 मई को परीक्षा में जितने बच्चे बैठे थे, उनमें से कई बच्चे इस बार परीक्षा नहीं दे पाए। रविवार को कई ऐसी

तस्वीरें और वीडियो सामने आए, जहां जरा सी देर होने पर बच्चों को परीक्षा केंद्र के भीतर नहीं जाने दिया गया।

कर्नाटक में कुछ छात्राएं रोती और मिन्नतें करती दिखीं कि उन्हें परीक्षा केंद्र के भीतर जाने दिया जाए, क्योंकि वे खराब यातायात व्यवस्था के कारण उन्हें देर हो गई। तो वहीं मध्यप्रदेश से एक हृदयविदारक दृश्य सामने आया, जिसमें अपनी बेटी को परीक्षा केंद्र के भीतर न जाते देख एक पिता इतना विचलित हो गए कि उन्होंने अपना सिर ही लोहे के गेट पर मार दिया और फिर तड़पते हुए सड़क पर गिर गए। एक तरफ अपने पिता की ऐसी हालत और दूसरी तरफ परीक्षा न दे पाने की तकलीफ में वो बच्ची इस तरह रोई कि किसी का भी दिल पिघल जाए। लेकिन शायद भाजपा सरकार में, नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, धर्मेन्द्र प्रधान और राजनाथ सिंह के पास संवेदनशील हृदय है ही नहीं। वर्ना बच्चों की तकलीफ देखकर सांत्वना के दो बोल तो ये लोग कह ही सकते थे। लेकिन भाजपा को राजनैतिक लाभ की भाषा ही समझ आती है। इसलिए जब प्रधानमंत्री मोदी रविवार दोपहर कोलकाता से लौटकर दिल्ली पहुंचे और फिर एयरपोर्ट पर पौन घंटे रुके रहे ताकि नीट के परीक्षार्थी अपने केंद्रों तक पहुंच जाएं और यातायात प्रभावित न हो, तो इस खबर को भाजपा प्रचार तंत्र ने खूब प्रसारित करवाया। इसका मकसद यही दिखाना था कि मोदीजी को बच्चों की कितनी फिक्र है। लेकिन इस तंत्र ने कभी यह सवाल नहीं किया कि इतनी ही फिक्र थी तो बार–बार पेपर लीक की घटनाएं क्यों हुईं। मध्यप्रदेश में जो बच्चे परीक्षा नहीं दे पाए, उस पर भाजपा मौन है, लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि उसने यातायात व्यवस्था दुरुस्त नहीं करवाई। आरोप–प्रत्यारोप की ये खोखली राजनीति देश के भविष्य के साथ कितना गंभीर खिलवाड़ कर चुकी है, ये भाजपा तो नहीं समझेगी, लेकिन लोगों को समझना होगा।

जिन बच्चों को देरी की वजह से नीट देने से वंचित रह जाना पड़ा, उनके पास अगले साल फिर इसे देने का मौका होगा या उनके पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं, जिसमें वे भविष्य संवार सकते हैं। लेकिन जिन बच्चों ने दोबारा परीक्षा देने के तनाव से या पेपर लीक होने के अवसाद में अपनी जान दे दी, उनके साथ इंसाफ किस तरह होगा, यह एक बड़ा सवाल है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कम से कम 19 बच्चे अपनी जान ले चुके हैं और यह संख्या यहीं रुक जाए ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। बच्चों को लेकर यह डर इसलिए बन रहा है, क्योंकि शनिवार तक 17 बच्चों की आत्महत्या की खबर थी, लेकिन रविवार को इसमें दो का इजाफा हो गया। हमारी शिक्षा व्यवस्था ही इतनी त्रुटिपूर्ण और संवेदनहीन हैं कि बच्चों में प्राथमिक शिक्षा के स्तर से ही कुंठा भरनी शुरु हो जाती है। हर महीने लिए जाने वाले क्लास टेस्ट से लेकर छमाही और वार्षिक इम्तिहानों तक बच्चों पर दबाव बनाया जाता है कि अच्छे अंक लाना और प्रथम आना ही कामयाबी का एकमात्र रास्ता है, उसके अलावा जीवन में कुछ और बचा ही नहीं है। इस भावना के साथ पढ़ाई करने वाले बच्चों का मन हताशा की तरफ बढ़ने लगता है और यही हताशा बोर्ड परीक्षाओं या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने पर जीवन खत्म करने के विकल्प की तरफ धकेल देती है। आजादी के इतने सालों में शिक्षा व्यवस्था को लेकर कई किस्म के प्रयोग हुए, कई पद्धतियां अपनाई गईं, लेकिन राजनेताओं ने शिक्षा और परीक्षा की खामियों पर कभी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा करना जरूरी नहीं समझा। अब राहुल गांधी ने कोटा से इसकी शुरुआत की है। उनके भाषण में इसी बात पर जोर दिया गया कि हम बच्चों में रिजेक्शन यानी खारिज होने का डर भर देते हैं, जो गलत है। इधर कॉकरोच जनता पार्टी ने भी अब शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने के लिए जंतर–मंतर पर फिर धरना शुरु किया है। इस बार पुलिस की तय की गई समयसीमा को मानने से प्रदर्शनकारियों ने इंकार कर दिया और शनिवार से लेकर सोमवार को इन पंक्तियों के लिखे जाने तक धरना जारी ही है। धरनास्थल पर खाने–पीने की व्यवस्था करने के लिए मोहम्मद जुनैद नाम के एक शख्स लगातार कर रहे हैं, सोमवार को उनके पैर छूकर अभिजित दिपके ने उन्हें शुक्रिया कहा। इस मौके पर हिंदू–मुस्लिम–सिख–ईसाई आपस में हैं भाई–भाई के नारे लगे और साथ ही वंदे मातरम, इंकलाब जिंदाबाद, जय हिंद, जय लोकतंत्र की हुंकार भी भरी गई।

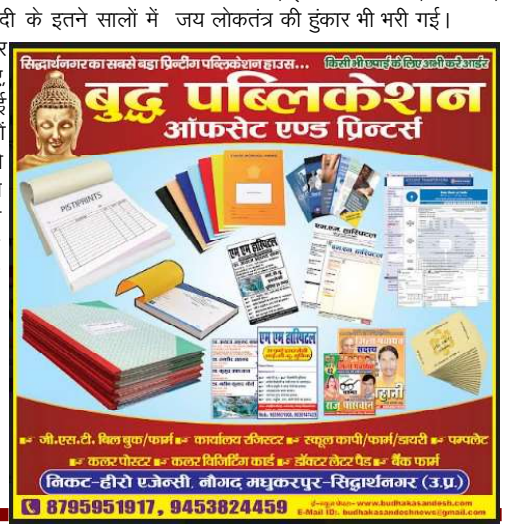

विश्व कप में कांगो ने 52 साल बाद रचा इतिहास, उज्बेकिस्तान को हराकर पहली बार नॉकआउट में

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल को ड्रॉ ने दिया झटका, अब नॉकआउट में Croatia से होगी कड़ी टक्कर

योआने विस्सा के दो गोल और फिस्टन मायेले के एक गोल की मदद से कांगो ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके उज्बेकिस्तान को 3–1 से हराकर पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। कांगो ग्रुप के में कोलंबिया और पुर्तगाल के बाद तीसरे स्थान पर रहा। उसने चार अंक हासिल किए जो अगले दौर में जगह बनाने के लिए पर्याप्त थे। कांगो राउंड ऑफ 32 में अटलांटा में बुधवार को इंग्लैंड का सामना करेगा। दूसरी तरफ उज्बेकिस्तान को अपने तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। अफ्रीकी देश कांगो 52 साल के अंतराल के बाद विश्व कप में भाग ले रहा है। उसकी तरफ से विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम के पहले मिनट में गोल किए जबकि मायेले ने 78वें मिनट में गोल दागा। उज्बेकिस्तान ने एल्डोर शोमुरोदोव के पहले हाफ के शुरू में किए गए गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली थी। उसने अगले 58 मिनट तक बढ़त कायम रखी जिससे ऐसा लग रहा था कि कांगो की जीत की उम्मीदें खत्म हो जाएंगी। लेकिन अपने पहले मैच में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल को 1–1 से ड्रॉ पर रोककर विश्व कप के सबसे चौंकाने वाले परिणामों में से एक को अंजाम देने वाली कांगो की टीम ने जोरदार वापसी की। शोमुरोदोव के 10वें मिनट में किए गए गोल से पिछड़ने के बाद कांगो ने 68वें मिनट में बराबरी की जब अब्दुकोदिर खुसानोव ने विस्सा को बॉक्स के अंदर गिरा दिया गया।

इससे कांगो को पेनल्टी मिल गई। विस्सा ने खुद मोर्चा संभाला और आसानी से गोल कर दिया। उज्बेकिस्तान के गोलकीपर अब्दुवोहिद नेमातोव ने गेंद रोकने के लिए दूसरी दिशा में गोता लगाया था। मायेले ने 10 मिनट बाद मेसचेक एलिया के 'डिफलेक्टेड' शॉट पर करीब से नेमातोव को छकाते हुए कांगो को बढ़त दिला दी। विस्सा ने इंजरी टाइम में गोल के निचले कोने में गेंद डालकर कांगो की जीत पक्की कर दी।

पुर्तगाल और कोलंबिया की टीम मैच शुरू होने से पहले ही विश्व का फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी लेकिन अब मुकाबला ग्रुप विजेता बनने के लिए था। मैच गोलरहित ड्रॉ रहा जिससे कोलंबिया ग्रुप के में पहले स्थान पर रहा। इस मैच को लेकर काफी चर्चा थी लेकिन यह किसी भी समय रोमांच की पराकाष्ठा तक नहीं पहुंचा। कोलंबिया ने तीन मैच में से दो मैच जीते और एक ड्रॉ कराया और उसने सात अंक के साथ ग्रुप चरण का समापन किया। पुर्तगाल एक जीत और ड्रॉ के साथ पांच अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। 'राउंड ऑफ 32' में कोलंबिया का मुकाबला घाना से होगा, जिसे शनिवार को क्रोएशिया से 2–1 से हार का सामना करना पड़ा था। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की खिताब की प्रबल दावेदार पुर्तगाल की टीम को ग्रुप में उपविजेता होने के कारण अब क्रोएशिया की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। दोनों टीम ने गोल करने के लिए अपनी तरफ से भरपूर प्रयास किए। ब्रूनो फर्नांडीज पहले हाफ में पुर्तगाल को बढ़त दिलाने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन कैमिलो वर्गास ने उन्हें रोक दिया।

कोलंबिया ने भी पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टो को व्यस्त रखा जिन्होंने छह बचाव किए, जो टीम के पहले दो मैचों में किए गए कुल बचाव से भी अधिक है। यह मैच 64,478 दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में खेला गया, जिनमें कोलंबिया के पूर्व फुटबॉल स्टार कार्लोस वाल्डेरामा, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो (जो एफबीआई के निदेशक काश पटेल और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ एक सुइट में बैठे थे), एनएफएल के स्टार जेमिस विंस्टन, एनबीए खिलाड़ी जिमी बटलर, अभिनेता मैट डेमन और पूर्व एनएफएल स्टार चाड जॉनसन भी शामिल थे।

लियोनेल मेस्सी का नहीं कोई तोड़! विश्व कप में लगातार 7वें मैच में गोल कर बनाया महारिकॉर्ड

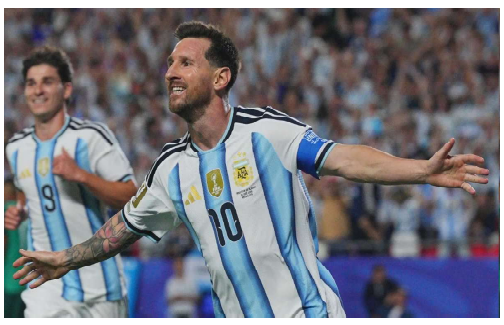

लियोनेल मेस्सी ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया जबकि जियोवानी लो सेल्सो मौजूदा विश्व कप में इस स्टार स्ट्राइकर के अलावा गोल करने वाले अर्जेंटीना के पहले खिलाड़ी बने जिससे मौजूदा चौंपियन ने जॉर्डन को 3–1 से हराकर ग्रुप चरण में तीनों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया। विश्व कप में अपने पहले मैच में खेल रहे लो सेल्सो ने 19वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। मेस्सी ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में दूसरे हाफ में मैदान पर उतरने के बाद एक गोल दागा। इस तरह से मेस्सी लगातार सात विश्व कप मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस स्टार स्ट्राइकर ने अपना 19वां गोल करके विश्व कप में सर्वाधिक गोल के अपने रिकार्ड को भी आगे बढ़ाया। मेस्सी ने 80वें मिनट में पेनल्टी बॉक्स के ठीक बाहर फाउल होने के बाद फ्री किक पर गोल किया। इस टूर्नामेंट में छह गोल के साथ शीर्ष पर चल रहे मेस्सी अर्जेंटीना के उन नौ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें शुरुआती लाइनअप में नहीं रखा गया था क्योंकि उसकी टीम ग्रुप जे में पहले ही पहला स्थान सुनिश्चित कर चुकी थी। मेस्सी ने अपने 39वें जन्मदिन के तीन दिन बाद 60वें मिनट में मैदान पर प्रवेश किया और फिर गोल करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। उन्होंने सोमवार को इसी स्टेडियम में विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ा था। मेस्सी ने अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया के खिलाफ जीत में अर्जेंटीना के सभी पांच गोल किए थे, जिसमें विश्व कप में उनकी पहली हैट्रिक शामिल थी। इसके बाद उन्होंने सोमवार को दो गोल करके विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने लगातार सात विश्व कप मैचों में गोल किए हैं। इससे पहले 39 वर्षीय मेस्सी फ्रांस के स्ट्राइकर जस्ट फॉन्टेन और ब्राजील के महान खिलाड़ी जैरजिन्हो के साथ विश्व कप के लगातार छह मैचों में गोल करने वाले केवल तीन खिलाड़ियों में से एक थे।

पहले हाफ में लोटारो मार्टिनेज ने 31वें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल करके अर्जेंटीना को 2–0 की बढ़त दिला दी। जॉर्डन की तरफ से एकमात्र गोल मूसा अल्तमारी ने 55वें मिनट में किया। अर्जेंटीना केकोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा, ''मैं सभी खिलाड़ियों को मौका देना चाहता था। हमने पहले से ही इसकी योजना बनाई थी। हमारे सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करके यह साबित किया कि हम उन पर भरोसा कर सकते हैं।'' अर्जेंटीना ने अपने पिछले नौ विश्व कप मैचों में सात जीत और दो ड्रॉ हासिल किए हैं। वह शुक्रवार को वह राउंड ऑफ 32 में केप वर्दे के खिलाफ खेलेगा, जो नॉकआउट राउंड में जगह बनाने वाला सबसे छोटा देश है। यह मैच मियामी में खेला जाएगा, जो मेस्सी की मेजर लीग सॉकर टीम का घरेलू मैदान है। यह पांचवां अवसर है जब अर्जेंटीना ने ग्रुप चरण में अपने सभी मैच जीते हैं। 2010 और 2014 में लगातार दो टूर्नामेंट में उसने अपने सभी तीनों मैच जीते थे। उसके बाद उसने पहली बार ऐसा किया। अर्जेंटीना ने अपने पिछले 19 ग्रुप मैचों में 14 जीत, दो हार और तीन ड्रॉ दर्ज किए हैं। इस 48 टीम के टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के अलावा फ्रांस और मैक्सिको ही ऐसी टीमें रही जिसने ग्रुप चरण के अपने सभी मैच जीते।

देवदत्त पडिक्कल की शानदार फिफ्टी, फिर भी भारत ए बनाम श्रीलंका ए ड्रॉ पर हुआ खत्म

देवदत्त पडिक्कल ने रविवार को भारत ए की दूसरी पारी में संयमित अर्धशतक जड़ा जिसके बाद श्रीलंका ए के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खराब मौसम की वजह से चौथे और अंतिम दिन ड्रॉ पर छूटा। भारत ए ने दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए 48 रन से खेलना शुरू किया और पडिक्कल ने 101 गेंद में पांच चौकों की मदद से 67 रन बनाए। आयुष पांडे (38) और हर्ष दुबे (29) ने भी योगदान दिया जिससे भारत ए ने 57 ओवर में आठ विकेट पर 189 रन बनाकर अपनी दूसरी पारी घोषित की और श्रीलंका ए के सामने जीत के लिए 312 रन का लक्ष्य रखा। श्रीलंका ए के लिए बाएं हाथ के स्पिनर दिलुम सुदीरा ने भारत ए की दूसरी पारी में 49 रन देकर पांच विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ए ने 15 ओवर में दो विकेट गंवाकर 70 रन बनाए। वहीं बारिश के कारण खेल काफी देर तक रुका रहा। छुट्टियांव मौसमी आयोजन श्रीलंका ए की दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज पवनथा वीरासिंघे ने 10 रन, नुवानिदु फर्नांडो ने नाबाद 16 रन और एशेन बंडारा ने नाबाद 18 रन बनाए। भारत ए के लिए पहली पारी में 58 रन देकर चार विकेट झटकने वाले जम्मू–कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने 18 रन देकर और हर्ष दुबे ने 25 रन देकर एक एक विकेट झटका। दोनों टीमों के बीच सीरीज का दूसरा अनौपचारिक टेस्ट मैच दो से पांच जुलाई तक यहीं खेला जाएगा।

अवामी लीग को बचाने की जंग, Sheikh Hasina का ऐलान, बोलीं– हर साजिश तोड़कर इसी साल लौटूंगी वतन

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी वतन वापसी को लेकर एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला ऐलान किया है। दो साल पहले अमेरिका और पाकिस्तान समर्थित एक तख्तापलट के जरिए सत्ता से हटाए जाने के बाद से शेख हसीना भारत में रह रही हैं।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी वापसी पर बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए साफ कर दिया है कि वे इसी साल बांग्लादेश वापस लौटेंगी। शेख हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश की अदालतों द्वारा उनके खिलाफ दिए जा रहे फैसले पूरी तरह राजनीति से प्रेरित हैं और यह उनकी पार्टी अवामी लीग को कमजोर और नेता विहीन बनाने की एक सोची–समझी साजिश है, जिसे वे कभी कामयाब नहीं होने देंगी।

अदालतों के फैसले को बताया राजनीतिक बदला

NDTV को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में शेख हसीना ने बांग्लादेशी अदालतों के फैसलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ष्मेरे खिलाफ जो भी फैसले आए हैं, वे न्याय नहीं हैं। यह पूरी प्रक्रिया गैर–कानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। अवामी लीग को खत्म करने के लिए वहां की न्यायपालिका को राजनीतिक बदले का हथियार बना दिया गया है।ष हसीना ने आगे कहा कि ऐसी साजिशें और कोशिशें इतिहास में पहले भी की गई हैं, जो तब भी नाकाम रही थीं और आगे भी पूरी तरह नाकाम साबित होंगी।

कट्टरपंथियों को करारा जवाब

बांग्लादेश के कट्टरपंथियों की तरफ से मिल रही लगातार धमकियों को दरकिनार करते हुए शेख हसीना ने कहा कि उन्हें मौत का कोई खौफ नहीं है। इंटरव्यू के दौरान वे काफी भावुक भी नजर आईं और उन्होंने बांग्लादेश के संस्थापक व अपने पिता शेख मुजीबुर्रहमान की क्रूर हत्या और 1975 में अपने पूरे परिवार को खोने के काले दिनों को याद किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि इतनी बड़ी त्रासदियों को झेलने के बाद भी वे देश की भलाई के लिए पीछे नहीं हटेंगी और इस साल हर हाल में बांग्लादेश कदम रखेंगी।

साजिशों का जाल तोड़कर जनता के साथ खड़ी रहूंगी

अपने संघर्षों की कहानी बयां करते हुए शेख हसीना ने कहा, ष1975 में मैंने अपने माता–पिता, अपने भाइयों और लगभग अपने पूरे परिवार को खो दिया था। यही नहीं, 21 अगस्त को मुझ पर ग्रेनेड से हमला करके मेरी जान लेने की कोशिश की गई थी। मेरे खिलाफ न जाने कितने जाल बुने गए, लेकिन मैं हर साजिश को तोड़कर बांग्लादेश की जनता के साथ खड़ी रही।

उन्होंने याद दिलाया कि बांग्लादेश के लोगों ने उन्हें अपने कीमती वोट देकर पांच बार देश का प्रधानमंत्री चुना, और उन्होंने देश के रिकॉर्ड तोड़ विकास के लिए काम किया। हसीना ने आखिर में बेहद कॉन्फिडेंस के साथ कहा कि उनकी पूरी जिंदगी बांग्लादेश के लोगों, अवामी लीग और लोकतंत्र के लिए समर्पित रही है, इसलिए वे हर रुकावट और हर खतरे को पार करके इसी साल अपने वतन वापस आ रही हैं।

कार ड्राइवर ने टोल प्लाजा के कर्मचारी को कुचलने की कोशिश, बोनट पर फंसा

कोझिकोड (केरल)। कोझिकोड जिले में इरिंगल्लूर के पास नेशलन हाईवे पर बने टोल प्लाजा के एक कर्मचारी को कार ड्राइवर ने कथित तौर पर टक्कर मारकर कुचलने की कोशिश की. बताया गया है कि कार ड्राइवर के टोल न देने पर कर्मचारी ने उसे रोकने की कोशिश की. लेकिन ड्राइवर ने कार तेजी से भगाई और कर्मचारी कुछ दूर तक बोनट पर फंसा रहा, फिर कार रुक गई.

यह घटना शनिवार शाम करीब 5रू30 बजे हुई. इस घटना में टोल कर्मचारी घायल हो गए. घटना के सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि कैसे इरिंगल्लूर के रहने वाले मेथल जितेशी नाम के कर्मचारी कार के नीचे कुचलने से बच गए.

टोल देने से बचने के लिए, गाड़ी तेजी से अपने आगे चल रही एक कार को पीछे करने की कोशिश कर रही थी, तभी जितेशी ने बीच–बचाव किया. लेकिन, रुकने के बजाय, कार अचानक आगे बढ़ गई और जितेशी बोनट पर फंस गए. बाद में जितेशी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया.

टोल प्लाजा के दूसरे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और किसी तरह कार को रोक लिया, जिससे गाड़ी में बैठे लोगों और टोल कर्मचारियों के बीच हाथापाई हो गई. कार ड्राइवर को पीड़ित पर फिर से हमला करते हुए देखा गया और टोल कर्मचारी पर झगड़े के दौरान कार के बोनट को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने का आरोप लगाया.

टोल प्लाजा पर तैनात एक पुलिस अधिकारी ने घटना में शामिल लोगों को वहां से हटाया. कार में बैठे लोगों ने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि गाड़ी को नुकसान पहुंचाया गया. टोल प्लाजा कर्मचारियों ने भी शिकायत दर्ज कराई, जिसमें दावा किया गया कि कर्मचारी को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया गया.

पुलिस ने कहा कि दोनों शिकायतों की जांच की जाएगी और उसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी. बताया जा रहा है कि इरिंगल्लूर क्षेत्र में स्थित इस टोल प्लाजा पर ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं, जहां टोल भुगतान को लेकर होने वाले झगड़े अक्सर बहस और मारपीट तक पहुंच जाते हैं.

पुलिसकर्मियों की नियमित तैनाती के बावजूद, कई झगड़े अनसुलझे रह जाते हैं. इन झगड़ों की वजह से अक्सर व्यस्त घंटों में ट्रैफिक जाम हो जाता है.

दिल्ली–एनसीआर में जल्द बदलेगा मौसम का मिजाज

नई दिल्ली। दिल्ली में बीते दो–तीन दिन से आसमान में बादल छाए हुए हैं, लेकिन, इससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिली है. ऐसे में शनिवार सुबह से ही तेज धूप के कारण लोग गर्मी से परेशान रहे. दोपहर होते–होते गर्मी का असर बढ़ गया. मौसम विभाग के अनुसार कल शनिवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 41.3 और न्यूनतम तापमान 30.3 डिग्री दर्ज हुआ. दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 63 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 37 प्रतिशत रही. मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली–एनसीआर में आज रविवार 28 जून को भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है. इस दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादलों की आवाजाही रहेगी और गरज–चमक विकसित होने की संभावना व्यक्त की गई है. रविवार को मौसम में 62 प्रतिशत नमी देखने को मिलेगी. हवा की रफ्तार 5 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी, सुबह से मौसम सुहावना बना रहेगा. इसके बाद अगले दिन सोमवार 29 जून को मौसम फिर से बदलने के आसार हैं. इस दौरान अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. इस दिन भी गरज–चमक के साथ बारिश की संभावना है. केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह 7 बजे तक औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक 157 अंक पर बना हुआ है, जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 138, गुरुग्राम में 142, गाजियाबाद में 145, ग्रेटर नोएडा में 132 और नोएडा में 137 अंक बना हुआ है. राजधानी दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई लेवल 100 से ऊपर और 200 के बीच में बना हुआ है। जबकि कुछ इलाकों में एक्यूआई लेवल 100 से नीचे बना हुआ है.

एक ही दिन दो बड़े Air Crash,France और Saudi Arabia में 25 लोगों ने गंवाई जान

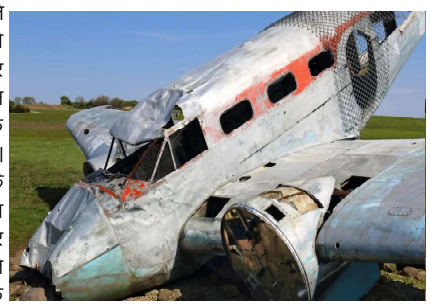

फ्रांस के नैंसी शहर के पास स्थित टॉम्बलेन इलाके से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। रविवार को स्काईडाइवर्स को लेकर जा रहा एक सिविलियन प्लेन अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, यह हादसा लोकल टाइम के अनुसार सुबह करीब 11 बजे हुआ। इस दर्दनाक एक्सीडेंट में प्लेन में सवार सभी 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि जान गंवाने वालों में पायलट के अलावा 10 पैसेंजर्स शामिल थे, जिनमें 5 ट्रेनी स्काईडाइवर और 5 उनके ट्रेनर थे।

ब्लास्ट के खतरे से खाली कराया गया इलाका, जांच जारी:

हादसे की खबर मिलते ही रेस्क्यू और राहत टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और पूरे एरिया को सील कर दिया गया। फ्रांसीसी अखबार के अनुसार, प्लेन स्काईडाइविंग ग्रुप को लेकर जैसे ही उड़ान पर निकला, तभी यह हादसा हो गया। वहीं, न्यूज चौनल ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट में बताया कि क्रैश के बाद प्लेन में तगड़े विस्फोट का खतरा बना हुआ था। इसी वजह से पुलिस ने साल्वाडोर अलेंदे स्ट्रीट के आस–पास के इलाके को तुरंत खाली करवा दिया और आम लोगों को दूर रहने की हिदायत दी। खुद फ्रांस के गृह मंत्री भी सिचुएशन का जायजा लेने स्पॉट पर पहुंचे। फिलहाल, प्लेन क्रैश होने की असली वजह सामने नहीं आई है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। सऊदी अरब में अरामको का हेलिकॉप्टर क्रैश, 14 लोगों की मौत दूसरी तरफ, सऊदी अरब से भी रविवार को एक बड़े हवाई हादसे की खबर आई। सऊदी की सरकारी तेल कंपनी अरामको का एक हेलिकॉप्टर रस तनुरा इलाके में क्रैश हो गया। सऊदी की ऑफिशियल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस हादसे में हेलिकॉप्टर के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी 14 लोगों की मौत हो गई। अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह हेलिकॉप्टर लोकल टाइम के मुताबिक सुबह करीब 6 बजे क्रैश हुआ। ऊर्जा मंत्रालय ने शुरू की जांच: सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय के एक बड़े अधिकारी ने इस हादसे की पुष्टि की है। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी 14 लोग सऊदी अरब के ही नागरिक थे। हालांकि, अरामको का यह हेलिकॉप्टर कैसे और किन वजहों से क्रैश हुआ, इसका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है। अधिकारियों ने मामले की हाई–लेवल जांच शुरू कर दी है।

एक लाख पौधरोपण अभियान को जनआन्दोलन बनाने की तैयारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। स्वामी विवेकानंद युवा परिषद उत्तर प्रदेश एवं माण्डवी फाउन्डेशन के तत्वावधान में प्रस्तावित वृहद पौधरोपण कार्यक्रम (एक लाख) को सफल बनाने के लिए रविवार को हर्रैया विधायक अजय सिंह के लजघटा आवास पर भव्य तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और क्षेत्रवासी शामिल हुए तथा अभियान को जनआंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया गया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात सुनकर राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया गया साथ ही बिहार पीसीएस में चयनित चंदन तिवारी और भारतीय सेना में अग्नि वीर के रूप में चयनित दिनेश निषाद का विधायक द्वारा स्वागत किया

गया। बृहद पौधरोपण अभियान बैठक को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि एक लाख पौधरोपण केवल संख्या का लक्ष्य नहीं, बल्कि हर्रैया को हराभरा और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों को इस अभियान से जोड़कर इसे जनभागीदारी का सबसे बड़ा पर्यावरण अभियान बनाया जाएगा। भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आत्माराम पाठक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। किसान, युवा और सामाजिक संगठन मिलकर इस अभियान को सफल बनाएंगे। पौधरोपण के साथ पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी सभी को निभानी होगी। आरएफओ हर्रैया शारदानंद तिवारी ने कहा कि वन विभाग इस अभियान में हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि पौधों का चयन स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप किया जाएगा तथा उनके संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, तभी एक लाख पौधरोपण का उद्देश्य सफल होगा।बैठक के उपरांत विधायक ने प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों के साथ सामूहिक श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवा आगे बढ़ेगा तो हर्रैया आगे बढ़ेगा और हर्रैया आगे बढ़ेगा तो भारत आगे बढ़ेगा। इसके बाद विधायक ने ग्राम बभरौली निवासी चन्दन तिवारी को बीपीएससी (पीसीएस) में चयनित होने तथा भुअरिया (बर्दिया लोहार) निवासी दिनेश निषाद को अग्निवीर के रूप में भारतीय सेना में चयनित होने पर बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।बैठक में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख विक्रमजोत .ष्ण कुमार सिंह, राम प्रगट सिंह, महेन्द्र सिंह, आनंद जी, आशुतोष सिंह, अवनीश पाण्डेय, निखिल कुमार श्रीवास्तव, विवेक कुमार मिश्रा, . पाशंकर, लाल बहादुर सिंह, सुनील सिंह, राम मणि मिश्रा, सूर्यनारायण तिवारी, अखिलेश सिंह, राजन पाण्डेय, राम ललित पाण्डेय, राम सूरत यादव, पटवारी चौधरी, आत्माराम यादव, वीरू सिंह, विनोद गुप्ता, नीरज शुक्ला, मार्शल तिवारी, सत्यदेव वर्मा, सुनील मौर्य, मोहन मिश्रा, सचिन आर्या, सुशील कुमार, बब्बू वर्मा, भरत लाल पटेल सहित हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

संकल्पों के साथ मनाया गया कबीर साहित्य सेवा संस्थान का चौदहवां स्थापना दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कबीर साहित्य सेवा संस्थान का चौदहवां स्थापना दिवस रविवार को प्रेस क्लब सभागार में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राम.ष्ण लाल 'जगमग' की अध्यक्षता में मनाया गया। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष सामईन फारूकी ने कहा कि पिछले 13 वर्षो में संस्थान की ओर से सृजन के अनेक कार्य किये गये, भविष्य में इसका विस्तार किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि कबीर साहित्य सेवा संस्थान महात्मा कबीर से प्रेरणा लेकर जन–जन को एकजुट करने का जो प्रयास कर रहा है वह आज की प्रमुख आवश्यकता है।

कहा कि आज जब जाति, धर्म, मजहब के नाम पर आये दिन इंसानियत लहूलुहान हो रही है ऐसे संस्थानों का महत्व बढ गया है जो विषम परिवेश में कौमी एकता की अलख जगा रहे हैं। डा. वाहिद अली सिद्दीकी, अनुरोध श्रीवास्तव, अनुराग कुमार श्रीवास्तव, राहुल चौहान, दीपक सिंह 'प्रेमी' अर्चना श्रीवास्तव ने कहा कि समाज की विकास यात्रा में संस्थानों का विशेष महत्व है। कबीर साहित्य सेवा संस्थान निरन्तर सक्रिय है और गंगा जमुनी तहजीब को समृद्ध करने में निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं जो आज की आवश्यकता है। कहा कि समाज में वैमनस्यता दूर करने की दिशा में किये जा रहे प्रयास स्वागत योग्य है।कबीर साहित्य सेवा संस्थान के चौदहवे स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बी.एन. शुक्ल, नीरज वर्मा, सेराज अहमद, तौव्वाब अली, अहमद जावेद अंसारी, शाद अहमद 'शाद', मनोज पाण्डेय, सागर गोरखपुरी, मो. मोईन, परवेज अहमद आदि उपस्थित रहे। संस्थान के अध्यक्ष सामईन फारूकी ने उपस्थित जनों के प्रति आभार ज्ञापन किया।

घर के निकट शराब पीने से रोका तो दबंगों ने घर में घुसकर मारा पीटा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। घर के निकट शराब पीने से रोका तो दबंगों ने घर में घुसकर मारा पीटा। इस मामले में दुबौलिया थाना क्षेत्र के अशोकपुर जेठू पुरवा निवासी रामकिशुन ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा अपराध संख्या 125/2026 में गंभीर धाराएं बढ़ाए जाने की मांग किया है। उनका आरोप है कि 25 जून की रात करीब 9 बजे गांव के कुछ लोगों ने उन्हें तथा उनके परिवार के सदस्यों पर लाठी–डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दबंग 15 से 20 की संख्या में थे और महिलाओं का गहना, सामान लेकर चले गये, गाडी को तोड़ दिया और अब पुलिस द्वारा प्रभावी

कार्रवाई, गिरतारी न किये जाने से उनका मनोबल बढ गया है और परिजनों को जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं।दुबौलिया थाने पर दिये तहरीर में अशोकपुर जेठू पुरवा निवासी रामकिशुन ने कहा है कि गत 25 जून को रात में वह अपने घर पर बैठा था तभी पुरानी रंजिश को लेकर रामजनक, रामनयन पुत्रगण स्वर्गीय रामचेत, मोनू पुत्र श्यामू मोहन पुत्र बल्लू निवासी बड़का पुरवा मिलकर उसके घर आकर गाली गुप्ता देने लगे। गाली देने से मना करने पर वे लोग लात मूका लाठी डंडा से उसे मारने लगे और बचाने आयी उसकी पत्नी शोभावती, मनीष पुत्र रामकिशुन, सोनू पुत्र रामकिशुन व राजन पुत्र रामकिशुन व जानकी पत्नी मनीष व उषा पत्नी बालकिशुन, पुष्पा पुत्री बालकिशुन उक्त विपक्षीगण लाठी डंडा से मारने लगे जिस से गम्भीर चोटे आई है। विपक्षी घर में रखा बर्तन व अन्य सामान तोड़ दिये तथा उषा पत्नी बाल किशुन के भी घर सामान तोड़ दिये तथा जान से मारने की धमकी देते भाग गये। इसी प्रकरण में अशोकपुर जेठू पुरवा निवासिनी संगम निषाद पत्नी राजाराम निषाद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर राम नयन, मोहन, मोनू, रंजीत, संगम, वीरू,जोगिन्दर निवासी अशोकपुर बडकापुर पुरवा के विरूद्ध मारपीट, तोड़फोड, लूटपाट आदि के मामले में मुकदमा पंजी.त कर कार्रवाई की मांग किया है।पीड़ित रामकिशुन के अनुसार हमले में उनकी पत्नी सुभावती समेत सोनू, राजन और मनीष के सिर में गंभीर चोटें आईं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के बाद सुभावती की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़ित का कहना है कि सिर में गंभीर चोट के कारण चिकित्सकों ने लगातार निगरानी की सलाह दी है और उन्हें चक्कर आने की शिकायत भी बनी हुई है।रामकिशुन ने आरोप लगाया कि विवेचक द्वारा मेडिकल रिपोर्ट में गंभीर चोटों का उल्लेख होने के बावजूद मुकदमे में गंभीर धाराएं नहीं बढ़ाई गई हैं। उन्होने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष के प्रभाव और दबाव में विवेचना की जा रही है। साथ ही आरोपियों द्वारा लगातार जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी उल्लेख किया गया है।पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए विवेचक को आवश्यक निर्देश देने तथा मुकदमे में गंभीर धाराएं बढ़ाकर आरोपियों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

सांसद राम प्रसाद चौधरी ने किया नेत्र केयर सेन्टर का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कुसौरा बाजार में रविवार को भारत चश्मा घर एवं नेत्र

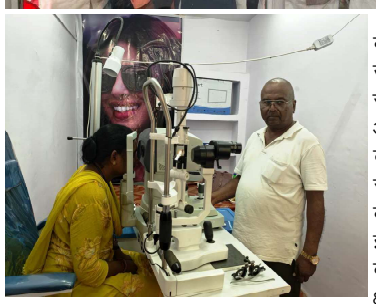

केयर सेंटर का उद्घाटन सांसद राम प्रसाद चौधरी और विधायक दूधराम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सेंटर के संचालक एवं पूर्व मुख्य नेत्र परीक्षण अधिकारी रामकुमार उर्फ डा. आनंद ने बताया कि उनके संस्थान में सिरदर्द, अर्धकपारी, मोतियाबिंद, काला मोतिया सहित आंखों से संबंधित विभिन्न बीमारियों की आधुनिक मशीनों ऑटोरेफ, स्लिट लैम्प एवं टोनोमीटर से जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि यहां मरीजों को अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा बेहतर परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।उन्होंने जानकारी दी कि सेंटर में परामर्शदाता नेत्र सर्जन एमबीबीएस, एम.एस. डॉ. बी.पी. चौधरी अपनी सेवाएं देंगे, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर नेत्र चिकित्सा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उद्घाटन समारोह में विश्राम राव, शिवराम कनौजिया, चंद्रिका प्रसाद, आर. के. आरतियन, हृदय गौतम, अनिल भारती, चंद्र प्रकाश गौतम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य, क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

तो दबंगों ने घर में घुसकर मारा पीटा

भीषण गर्मी में दुदही अंधेरे में, हर रात दो घंटे बिजली गुल, ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश

कुशीनगर। राजापाकड़ उपकेंद्र से दुदही 33/11 केवी उपकेंद्र की आपूर्ति रात 9:20 से 11:20 बजे तक बाधित होने का आरोप, मासूमों और बुजुर्गों पर गर्मी की मार। दुदही (कुशीनगर)। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली संकट ने दुदही क्षेत्र के हजारों लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि राजापाकड़ विद्युत उपकेंद्र से दुदही 33ध्11 केवी विद्युत उपकेंद्र को प्रतिदिन रात लगभग 9'20 बजे से 11:20 बजे तक बिजली आपूर्ति नहीं भेजी जाती, जिसके चलते दुदही नगर पंचायत सहित दर्जनों गांव लगातार अंधेरे में डूब जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दिनभर की झुलसा देने वाली गर्मी के बाद लोग रात में राहत की उम्मीद करते हैं, लेकिन ठीक उसी समय बिजली आपूर्ति बाधित हो जाने से हालात और भी गंभीर हो जाते हैं। उमस और गर्मी के कारण छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों का कहना है कि रातभर बिजली नहीं रहने से बच्चों की नींद खराब हो रही है और बुजुर्गों की तबीयत बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यह स्थिति कोई एक–दो दिन की नहीं, बल्कि लगातार बनी हुई है। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। इससे क्षेत्र में बिजली विभाग के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ रही है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब सरकार गर्मी के मौसम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश देने की बात करती है, तो फिर दुदही क्षेत्र में प्रतिदिन रात के समय आपूर्ति क्यों बाधित हो रही है? लोगों ने यह भी मांग की है कि यदि यह निर्धारित रोस्टिंग है तो इसकी आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक की जाए, और यदि नहीं है तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली जैसी बुनियादी सुविधा में लगातार व्यवधान से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। भीषण गर्मी के बीच लंबे समय तक बिजली कटौती से किसी भी समय स्वास्थ्य संबंधी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दुदही उपकेंद्र को नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराने को मजबूर होंगे। संबंधित अधिकारी जेई से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इसकी पूरी जानकारी नहीं है और बिना शेड्यूल के राजापाकड़ विद्युत उपकेंद्र से रोस्टिंग की जा रही है।

संस्कारयुक्त शिक्षा के लिए शिक्षिकाओं को मिला विशेष प्रशिक्षण, सेवा भारती का मासिक अभ्यास वर्ग संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवा/महराजगंज।सेवा भारती द्वारा संचालित संस्कार केंद्रों की शिक्षिकाओं एवं कार्यकर्ताओं के लिए रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर, निकट ठाकुरद्वारा, नौतनवा में मासिक अभ्यास प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षिकाओं को संस्कारयुक्त एवं प्रभावी शिक्षण पद्धति से जोड़ना रहा।प्रशिक्षण वर्ग में प्रतिभागियों को संपूर्ण वंदना, भोजन मंत्र, गायत्री मंत्र, अक्षर ज्ञान तथा बच्चों को नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति से जोड़ने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। साथ ही खेल–आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता दिलीप लखानी ने की।

इस अवसर पर जिला सेवा प्रमुख किशोर मद्धेशिया, पूर्णकालिक कार्यकर्ता संदीप सिंह, रामचंद्र जी, सदन मोहन एवं श्रीमती वंदना सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।वक्ताओं ने कहा कि सेवा भारती के संस्कार केंद्र समाज के वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। नियमित प्रशिक्षण से शिक्षिकाओं की कार्यक्षमता बढ़ती है और संस्कार केंद्रों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार होता है।प्रशिक्षण वर्ग का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि समाज के प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा और संस्कार की ज्योति पहुंचाने का कार्य पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ जारी रखा जाएगा। उमेश विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष

बस्ती का लाल उमर खान, देश से विदेश तक गूंज रही आवाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपद बस्ती की मिट्टी से निकला हुनर आज देश ही

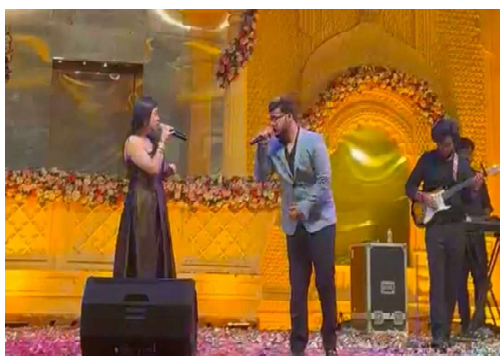

नहीं, विदेशों में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। युवा गायक उमर खान अपनी दमदार आवाज, शानदार लाइव स्टेज परफॉर्मेंस और बेहतरीन गायकी के दम पर लगातार सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं।दिल्ली, मुंबई, दुबई, कतर समेत कई बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रस्तुतियों से उमर खान ने श्रोताओं का दिल जीता है। हर लाइव शो में हजारों दर्शक उनकी गायकी के दीवाने नजर आते हैं। उनकी आवाज की गूंज अब बस्ती की सीमाओं से निकलकर दुनिया के कई देशों तक पहुंच चुकी है।उमर खान की इस उपलब्धि से पूरे बस्ती जिले का नाम रोशन हो रहा है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि छोटे शहरों का हुनर भी बड़े मंचों पर अपनी अलग पहचान बना सकता है। जिले के युवा उन्हें प्रेरणा के रूप में देख रहे हैं और उनकी कामयाबी पर गर्व महसूस कर रहे हैं।बस्ती का बेटा, दुनिया का सितारा बन चुके उमर खान आज अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उनकी सफलता बस्ती के लिए गर्व और युवाओं के लिए प्रेरणा का संदेश है।

सड़क पर बालू से फिसली बाइक, दंपती व बच्चा घायल: हाटा में सड़क चौड़ीकरण के दौरान हुआ हादसा, जिला अस्पताल रेफर

कुशीनगर। कुशीनगर के हाटा थाना क्षेत्र में आज शनिवार को 4 बजे के समय सड़क चौड़ीकरण के दौरान सड़क पर फैली बालू के कारण एक बाइक फिसल गई। इस हादसे में बाइक सवार दंपती और उनका 21 माह का मासूम बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। रामपुर बुजुर्ग गांव निवासी नेमिनाथ अपनी पत्नी मधु और 21 माह के बेटे अंश के साथ देवरिया जा रहे थे। मुंडेरा उपाध्याय के पास सड़क पर गिरी बालू से उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और फिसल गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों ने तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हाटा पहुंचाया। घायलों की पहचान नेमिनाथ (30), उनकी पत्नी मधु (26) और बेटे अंश के रूप में हुई है।सीएचसी हाटा में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पति–पत्नी और मासूम बच्चे के चेहरे व सिर पर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के चलते सड़क पर फैली बालू से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करने और सड़क से बालू हटाने की मांग की है।

रेल कर्मचारियों ने 13 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा, मांगें न मानीं तो होगा आंदोलन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ऑल इंडिया गार्ड्स काउंसिल के पूर्व मध्य रेलवे धनबाद मंडल का 22वां द्विवार्षिक महाधिवेशन रविवार को चोपन स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया। महाधिवेशन में चोपन, सिंगरौली, रेणुकूट और शक्तिनगर शाखाओं के ट्रेन मैनेजर (गार्ड) तथा संगठन के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सम्मेलन में रेल कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, सेवा शर्तों और लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा करते हुए सरकार एवं रेलवे प्रशासन के समक्ष 13 सूत्रीय मांगपत्र रखने का निर्णय लिया गया।सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि रेल कर्मचारियों की वर्षों पुरानी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने नई

पेंशन योजना और यूनिफाइड पेंशन स्कीम को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। इसके साथ ही रेलवे के निजीकरण पर तत्काल रोक लगाने की भी मांग की गई।महाधिवेशन में पारित प्रस्तावों में ड्रेस अलाउंस में वृद्धि, रेलवे के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती, नौ घंटे से अधिक ड्यूटी समाप्त करने, रनिंग अलाउंस में 25 प्रतिशत बढ़ोतरी, समय पर विश्राम एवं साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करने, ट्रेन मैनेजर का एंट्री लेवल पे–लेवल–6 करने, स्टेशन खंड में हैंड ब्रेक बांधने की अनिवार्यता समाप्त करने, मजदूर विरोधी बताए जा रहे लेबर कोड को वापस लेने, निर्धारित प्रिपरेटरी रेस्ट देने तथा ट्रेन मैनेजरों के लिए 30 प्रतिशत पद आरक्षित करने जैसी मांगें प्रमुख रहीं।

वक्ताओं ने कहा कि इन मांगों का संबंध सीधे कर्मचारियों के हितों के साथ–साथ रेल संचालन की सुरक्षा और कार्यकुशलता से भी जुड़ा है।संगठन के नेताओं ने कहा कि यदि सरकार और रेलवे प्रशासन ने कर्मचारियों की जायज मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने सभी रेल कर्मचारियों से संगठन की एकजुटता बनाए रखने तथा अपने अधिकारों की लड़ाई को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूत करने का आह्वान किया।महाधिवेशन में संगठन की भावी रणनीति पर भी विस्तार से मंथन किया गया। इस दौरान विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों एवं सक्रिय सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जोनल प्रेसिडेंट ए.एन. लाल, ए.के. ठाकुर, जोनल ट्रेजरर रामाशीष कुमार, ए.के. पांडेय, केदार प्रसाद, आर.एल. यादव, विजय मिश्रा, संतोष कुमार, हीरालाल वर्मा, एस.एन. प्रसाद, प्रमोद कुमार, एल.पी. सिंह, जे.के. तिवारी, ए. के. सिन्हा, रंजीत कुमार सहित विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ट्रेन मैनेजर (गार्ड) उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, गर्भपात कराने एवं एससी/एसटी एक्ट के प्रकरण में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) ' अनिल कुमार' एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा ' प्रभात राय' के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक ओबरा श्री सदानन्द राय के कुशल नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना ओबरा पुलिस द्वारा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, गर्भपात कराने एवं एससी/एसटी एक्ट से संबंधित प्रकरण में वांछित अभियुक्त को गिरतार किया गया। वादिनी द्वारा थाना ओबरा पर प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया गया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी पहचान अभियुक्त सुनील कुमार मौर्या से हुई। अभियुक्त ने विवाह का झांसा देकर कई वर्षों तक उसके साथ।शारीरिक संबंध स्थापित किए। गर्भधारण होने पर अभियुक्त उसे नोएडा ले गया, जहां विवाह का आश्वासन देकर गर्भपात कराने हेतु दबाव बनाया तथा उसकी जानकारी के बिना गर्भपात संबंधी दवा देकर 27.05.2026 को एक निजी अस्पताल में गर्भपात कराया। बाद में विवाह की बात करने पर अभियुक्त एवं उसके परिजनों द्वारा मारपीट, अभद्रता एवं जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया गया। उक्त तहरीर के आधार पर 'थाना ओबरा पर मु0अ0सं0 –132/2026, धारा 69, 89, 115(2), 352 बीएनएस तथा धारा 3(2)(अ), 3(1)(द),3(1)(ध) एससी/एसटी एक्ट' के अंतर्गत अभियोग पंजी.त किया गया। थाना ओबरा पुलिस द्वारा अभियुक्त की तलाश हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर 28.06.2026 को समय करीब 06रू10 बजे शारदा मंदिर, ओबरा के पास से अभियुक्त को गिरतार कर नियमानुसार न्यायालय भेजा गया।

सहगोड़ा गांव में बारिश से बही पुलिया निर्माण न होने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी विकास के जोगी टोला में यह पुलिया पिछले वर्ष तेज बारिश में बह

खण्ड के ग्राम घघरी के सहगोड़ा गांव में एक साल पहले बारिश में बही पुलिया का निर्माण न होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने रविवार को प्रदर्शन कर जताया विरोध। उन्होंने जिलाधिकारी से ध्यान आ.ष्ट करते हुए । जल्द पुल निर्माण की मांग की है।जानकारी के अनुसार, घघरी ग्राम पंचायत के सहगोड़ा गांव गई थी। जिससे पुलिया के उस पार लगभग 300 लोग रहते हैं। बारिश का मौसम नजदीक आने से ग्रामीणों को चिंता सता रही है कि बारिश शुरू होने पर इस टोले का संपर्क गांव से कट जाएगा।ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया न होने के कारण लगभग 30 बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है। आज भी इस टोले में एम्बुलेंस नहीं जा पाती है, जिससे आपातकालीन स्थिति में बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। भारी वाहन भी यहां से नहीं निकल पाते। टूटी पुलिया में गिरकर राहगीर और वाहन चालक चोटिल हो जाते हैं, रात के समय यह खतरा और बढ़ जाता है।आदिवासी बहुल इस टोले के लोगों का आरोप है कि प्रशासन की उपेक्षा के कारण पुल का निर्माण नहीं हो सका है। बारिश के मौसम में लोगों को कई किलोमीटर घूम कर जाना पड़ता है। इस समस्या से परेशान कुंवर सिंह, रामदेव, रामलाल, राम सिंह, कमला, सुशीला देवी, रमपतिया, विनोद, सोनमनी, लालमुनि, मीना, रूबी, उमंग, लीलावती रमाशंकर सहित आदि ग्रामीणों ने जिलाधिकारीका ध्यान आ.ष्ट करते हुए पुलिया निर्माण की जल्द से जल्द मांग की है।

जिलाधिकारी ने नवजात शिशु को पोलियो की खुराक पिलाकर किया सघन पल्स पोलियो का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सघन पल्स पोलियो महाअभियान 28 जून, 2026 से प्रारम्भ हो गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड ने प्राथमिक विद्यालय लोढ़ी में नवजात शिशु को पोलियो की दो बूंदें पिलाकर सघन पल्स पोलियो महाअभियान का विधिवत शुभारंभ किया।इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है, लेकिन समय पर दी गई पोलियो की दो बूंदें बच्चों को आजीवन सुरक्षा प्रदान करती हैं। उन्होंने जनपद के सभी अभिभावकों से अपील की कि 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, चाहे उसे पहले कितनी भी बार पोलियो की दवा दी जा चुकी हो। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, आशा बहनों, शिक्षकों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों से अभियान को जन–जन तक पहुँचाने में सहयोग करने की अपील की।मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुमार

मिश्रा ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान का उद्देश्य जनपद के प्रत्येक 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुँचाना है। इसके लिए जनपद में पोलियो बूथ, ट्रांजिट बूथ एवं घर–घर भ्रमण की व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि अपने बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर आएं तथा यदि किसी कारणवश बूथ तक न पहुँच सकें तो घर आने वाली स्वास्थ्य टीम से बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं।जनपद में कुल 3,07,095 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 1092 पोलियो बूथ, 36 ट्रांजिट टीमें एवं 7 मोबाइल टीमों का गठन किया गया है। बूथ दिवस पर प्रातः 9रू00 बजे से सायं 4रू00 बजे तक 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार सिंह गिरधारी लाल, सहित अन्य अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा हैपुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज

के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों.जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य. पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया।इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को . ष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ञ्ज साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार पर मंथन, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह बने परीक्षा नियंत्रक

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ।डॉ. सर्वपल्ली राधा. ष्णन काउंसिल ऑफ़ वोकेशनल एजुकेशन के लखनऊ स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में फाउंडर मेंबर समिट का आयोजन किया गया। समिट में देशभर में राष्ट्रीय.त एवं व्यावसायिक शिक्षा के संचालन, नए कॉलेजों एवं संस्थानों को संबद्धता प्रदान करने तथा काउंसिल के विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉ. प्रवीण कुमार सिंह (सिवान, बिहार) को काउंसिल का परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया गया। काउंसिल के महानिदेशक एवं रजिस्ट्रार डॉ. रामजी मिश्रा ने उन्हें बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ एवं पश्चिम बंगाल में कॉलेजों एवं संस्थानों को

संबद्धता प्रदान करने के लिए अधि.त किया।समिट में संगठनात्मक विस्तार के तहत डॉ. विकास वर्मा को सह–संस्थापक, रविंद्र नाथ मिश्र को मुख्यालय प्रभारी, नुजहत शहाब चिश्ती को लखनऊ प्रभारी, अंकुश पांडेय एवं मनीष जैन को टेक्निकल एडवाइजर तथा शुभम गुप्ता को पूर्वांचल उत्तर प्रदेश का प्रभारी नामित किया गया।बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि काउंसिल का उद्देश्य देशभर में गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना, युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ना तथा शिक्षा संस्थानों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। समिट में लिए गए निर्णयों को काउंसिल के राष्ट्रीय विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

सुकरौली में सुना गया प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात का 135वां एपिसोड

सुकरौली बाजार कुशीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश का 135वां एपिसोड रविवार को नगर पंचायत सुकरौली के वार्ड संख्या 9, सुभाष चन्द्र बोस नगर स्थित बूथ संख्या 167 पर भाजपा युवा नेता रवीश सिंह के नवनिर्मित भवन में सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर भाजपा के कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने अपने मासिक संबोधन में देशवासियों को विभिन्न विषयों पर संबोधित किया। उन्होंने विशेष रूप से देश के युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे खेल के माध्यम से भारत का नाम विश्व स्तर पर रोशन करें। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सभी को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम मे भाजपा कार्यकर्ता सत्यनारायण गौड़, अभिमन्यु गौतम, दुर्गेश यादव, मुन्ना राव, विकास कुमार, दिनेश चौरसिया, रमेश यादव, आदि लोग उपस्थित थे कार्यक्रम समापन पर युवा नेता रवीश सिंह के द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई थी।उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि युवाओं को खेल, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए निरंतर प्रेरित किया जाना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुनकर प्रधानमंत्री के विचारों पर चर्चा भी की।

सांसद ने किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, मातृ सेवा कार्यक्रम की भी हुई लॉन्चिंग

गोरखपुर। सदर सांसद रवि किशन ने रविवार को पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने दर्जनों बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई तथा उन्हें खिलौने और चॉकलेट वितरित कर अभियान को सफल बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर सदर सांसद रवि किशन ने कहा कि भारत में पोलियो का उन्मूलन वर्षों पहले हो चुका है, लेकिन पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अभी भी पोलियो वायरस मौजूद हैं। ऐसे में देश के बच्चों को सुरक्षित बनाए रखने के लिए पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को नियमित रूप से पोलियो की दवा पिलाना आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को पोलियो की प्रत्येक खुराक अवश्य दिलाएं। इस अवसर पर सदर सांसद ने जिले के नवाचार "मातृ सेवा कार्यक्रम" (मैटरनल इमरजेंसी असिस्टेंस फॉर टाइमली रेफरल एंड इंटेंसिव सर्विसेज) का भी शुभारंभ किया तथा रेफरल कार्ड का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से गोरखपुर से शुरू किया गया यह अभिनव प्रयास अनुकरणीय है। समुदाय स्तर से लेकर चिकित्सा इकाई स्तर तक गर्भवती महिलाओं के नियमित फॉलो–अप और समय पर रेफरल की व्यवस्था मातृ मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मॉडल अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश झा ने पल्स पोलियो अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को जिले के 1887 पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाई गई। उन्होंने बताया कि 29 जून से 03 जुलाई तक 1494 टीमें घर–घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से बचाव की दवा पिलाएंगी। उन्होंने कहा कि पोलियो की यह दवा पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावी और बच्चों को आजीवन दिव्यांगता से बचाने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने अभिभावकों से अभियान में पूर्ण सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में जिला महिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जय कुमार, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नंदलाल कुशवाहा, डिप्टी सीएमओ डॉ. राजेश कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिनव मिश्र, जिला मलेरिया अधिकारी अंगद सिंह और डीपीएम पंकज आनंद सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी, कर्मचारी तथा सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

ग्रिल तोड़ लाखों के गहने और नकदी ले गए चोर

बड़हलगंज। नवागत कोतवाल को आते ही चोरों ने चोरी कर उन्हें सलामी दे दी है। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत सूबेदार नगर के माझा गांव में शुक्रवार की रात जंगला तोड़ मकान में घुसे अज्ञात चोरों द्वारा लाखों के गहने और नकदी चोरी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली बड़हलगंज में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। माझा निवासी पीड़ित रमेश यादव पुत्र स्व.संत लाल यादव ने बड़हलगंज पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि बीते 26 जून की रात अज्ञात चोर मकान के पीछे लगे ग्रिल और जंगला को काटकर घर के अंदर घुस गए।इसके बाद चोरों ने कमरे में रखी दो अलमारियों और दो बक्सों के ताले एवं कुंडियां तोड़ कर घर में रखे सोने–चांदी के आभूषण, जिनमें सोने की अंगूठियां, माला सहित महिलाओं के कई गहने शामिल थे, उठा ले गए।इसके अलावा घर में रखा नगद रुपये भी चोरी कर लिए। चोरी के बाद आरोपी उसी रास्ते से फरार हो गया, जिससे वह घर में दाखिल हुए थे। घटनास्थल के पास जंगले में कपड़ा बंधा मिला है, जिससे पुलिस को कुछ अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

पीड़ित ने बताया कि घटना की जानकारी शनिवार सुबह करीब छह बजे हुई।112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।कोतवाली प्रभारी अतुल कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

घटनास्थल से मिले तथ्यों और आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, चोरी की इस वारदात से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। नवागत कोतवाल के आते ही बड़हलगंज थाना क्षेत्र के कछार में चोरों ने चोरी कर उनके इकबाल को चौलेंज कर दिया है। पिछली कई चोरियों का इनके पूर्ववर्तियों के असफलता का दाग धोने का भारी दबाव आते ही चोरों ने नवागत कोतवाल पर डाल दिया। अब देखा जाय कि इन्हें इस चोरी के खुलासे में सफलता मिलती है या पूर्व की भांति यह चोरी भी फाइलों में गुम हो जाती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक : श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राख ने दिखाया दम, 8 एपिसोड वाली क्राइम थ्रिलर ने हिलाया दुनियाभर में इंटरनेट, बनी नंबर 1 नॉन–इंग्लिश सीरीज

प्रीमियर के बाद से राख ने जबरदस्त सफलता हासिल की है. यह पिछले दो साल में प्राइम वीडियो इंडिया की सबसे बड़ी ओरिजिनल सीरीज डेब्यू बनकर उभरी है. इसके साथ ही यह 23 देशों में नंबर 1 पर ट्रेंड कर चुकी है और 60 देशों की टॉप 10 लिस्ट में भी अपनी जगह बना चुकी है.

प्राइम वीडियो पर ग्लोबल प्रीमियर के कुछ ही दिनों में राख सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली और चर्चा में रहने वाली प्राइम ओरिजिनल सीरीज बन गई है. 12 जून को दुनियाभर में रिलीज हुई यह 8 एपिसोड की फिक्शनल क्राइम ड्रामा सीरीज नैतिकता, अपराध और न्याय के बीच के जटिल रिश्तों के साथ–साथ अपनों को खोने के दर्द को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाती है.

एंडेमोल शाइन इंडिया ने भाडीपा के साथ मिलकर इस सीरीज का निर्माण किया है. राख को दुनिया भर के दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला है और यह प्राइम वीडियो की दुनिया की नंबर 1 गैर–अंग्रेजी सीरीज बन गई है. यह 23 देशों में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है, जबकि 60 देशों की टॉप 10 लिस्ट में भी अपनी जगह बना चुकी है. रिलीज के सिर्फ दो हफ्तों के भीतर राख पिछले दो साल में प्राइम वीडियो इंडिया पर सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल डेब्यू सीरीज भी बन गई है.

राख को क्रिटिक्स, दर्शकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने जमकर सराहा है. इस सीरीज को एक ऐसी दमदार और लंबे समय तक याद रहने वाली कहानी बताया जा रहा है, जिसने क्राइम थ्रिलर के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया है. सीरीज में कलाकारों की परफॉर्मेंस की भी खूब तारीफ हो रही है. अली फजल के शानदार और करियर की सबसे बेहतरीन मानी जा रही परफॉर्मेंस से लेकर सोनाली बेंद्रे के एक दुखी मां के किरदार, आमिर बशीर के टूटे हुए पिता के इमोशनल रोल और आकाश मखीजा व रामदीप यादव द्वारा बाबू और रज्जो के किरदारों को बेहद खौफनाक अंदाज में निभाने तक, हर कलाकार ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है. पूरी स्टारकास्ट ने मिलकर इस कहानी को इतनी गहराई और असरदार तरीके से पेश किया है कि क्रेडिट्स खत्म होने के बाद भी इसकी चर्चा लगातार जारी है.

सीरीज के क्रिएटर्स, राइटर्स और को–डायरेक्टर्स अनुशा नंदकुमार और संदीप साकेत ने कहा, राख का हर सीन इस सोच के साथ बनाया गया कि हर छोटी से छोटी डिटेल बिल्कुल सही हो और हम पूरी ईमानदारी के साथ वही कहानी कहें, जिस पर हमें पूरा भरोसा था.

प्रोसित रॉय के निर्देशन में बनी राख का निर्माण एंडेमोल शाइन इंडिया ने भाडीपा के सहयोग से किया है. इसके प्रोड्यूसर्स दीपक धर, ऋषि नेगी, मृणालिनी जैन और श्याम राठी हैं. सीरीज को अनुशा नंदकुमार और संदीप साकेत ने क्रिएट, लिखा और को–डायरेक्ट किया है, जबकि इसके डायलॉग्स आयुष त्रिवेदी ने लिखे हैं. सीरीज में सोनाली बेंद्रे, अली फजल और आमिर बशीर मुख्य भूमिकाओं में हैं. इनके साथ आकाश मखीजा, रामदीप यादव, दिव्या शर्मा, विवान शर्मा, अंशुल चौहान, राकेश बेदी और दिव्येंदु भट्टाचार्य भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं. राख फिलहाल भारत समेत दुनिया के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है.

उर्मिला मातोंडकर को नहीं करना था छम्मा छम्मा, बोलीं– आइटम नंबर के बिल्कुल खिलाफ थी मैं

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने फिल्म चाइना गेट के अपने ब्लॉकबस्टर गाने छम्मा छम्मा को लेकर सालों बाद एक खुलासा किया है। इस सुपरहिट गाने पर चुप्पी तोड़ते हुए उर्मिला ने बताया कि वो शुरुआत में इस गाने को करने के बिल्कुल खिलाफ थीं,

क्योंकि वो करियर के उस दौर में कोई आइटम नंबर नहीं करना चाहती थीं। आइए जानते हैं कि आखिर फिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इस गाने के लिए हामी भर दी।

उर्मिला हाल ही में डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के एक एपिसोड में बतौर स्पेशल गेस्ट शामिल हुईं, उन्होंने फिल्म चाइना गेट के इस लोकप्रिय गाने पर बात की। उन्होंने कहा, मुझसे कहा गया कि फिल्म चाइना गेट के महान निर्देशक राजकुमार संतोषी जी चाहते हैं कि आप इस फिल्म में एक आइटम सॉन्ग करें तो मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं थी, क्योंकि उस दौर में आइटम गानों को बहुत गलत तरीके से देखा जाता था।

उर्मिला ने बताया, संतोषी ने मुझसे एक बात कही कि उर्मिला, बरसों पहले एक गाना आया था और आज भी जब लोग डांस या कोरियोग्राफी की बात करते हैं तो वही एक गाना इंसान की आंखों के सामने आता है। मुझे उस गाने से भी बेहतर गाना बनाना है। मैंने गणेश आचार्य से पूछा कि गाने की शूटिंग कितने दिन चलेगी? उन्होंने कहा कि प्लान 12 दिन का था, लेकिन हमने वो गाना सिर्फ 3 दिन में पूरा कर दिया।

करिश्मा कपूर इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में बतौर जज नजर आ रही हैं। उन्होंने गाना रिलीज होने के समय के इसके प्रभाव को याद किया। वो बोलीं, उस दौर में हम सब इस गाने और उर्मिला के डांस के दीवाने हो गए थे। मुझे याद है कि जब ये गाना रिलीज हुआ था तो मैंने गणेश की तारीफ की थी और उनसे कहा था कि क्या गाना है, कमाल है और उर्मिला ने इसमें बेहद शानदार काम किया है। साल 1998 में आई फिल्म चाइना गेट बॉक्स ऑफिस पर भले ही उम्मीद के मुताबिक कमाल न कर पाई हो, लेकिन इस फिल्म का एक गाना छम्मा छम्मा आज भी बॉलीवुड के सबसे कालजयी गानों में गिना जाता है। छम्मा छम्मा की लोकप्रियंता सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रही। यह बॉलीवुड के उन चुनिंदा गानों में शामिल है, जिन्हें दुनियाभर में पहचान मिली। साल 2001 में आई हॉलीवुड फिल्म मौलिन रूज में भी इस गाने का इस्तेमाल किया गया था।

हैवान की रिलीज तारीख आई, सिनेमाघरों के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर दस्तक देगी फिल्म

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की थ्रिलर फिल्म हैवान की रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया गया है। दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी ये फिल्म सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बड़े पर्दे पर दर्शकों को रोमांचित करने के बाद यह फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम की जाएगी, इसका खुलासा भी हो गया है। आइए जानते हैवान कब रिलीज हो रही है और आप इसे सिनेमाघररों के बाद कहां देख पाएंगे। अक्षय और सैफ के फैंस के लिए अब इंतजार खत्म हो गया है। उनकी फिल्म हैवान की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान हो गया है। ये फिल्म 11 सितंबर, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे साल 2026 की बॉलीवुड की सबसे बड़ी और धमाकेदार रिलीज में से एक माना जा रहा है। दिग्गज फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही हैवान ने रिलीज से पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त माहौल बना दिया है।

फिल्म हैवान को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्सुकता है, क्योंकि अक्षय और सैफ की जोड़ी करीब 20 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी और टशन जैसी फिल्मों में अपनी बेहतरीन ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए मशहूर ये जोड़ी इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में एक बेहद गंभीर और कड़क अंदाज में आमने–सामने होगी। इस फिल्म में जहां सैफ मुख्य नायक की भूमिका में तो अक्षय विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे।

सिनेमाघरों में रिलीज की तारीख तय करने के अलावा निर्माताओं ने फिल्म के स्ट्रीमिंग पार्टनर को भी फाइनल कर लिया है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने इस फिल्म के डिजिटल राइट्स खरीद लिए हैं, जिसका मतलब है कि सिनेमाघरों में अपना सफर पूरा करने के बाद ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीम की जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनी नेटवर्क संग हुई इस बड़ी डील में फिल्म के डिजिटल राइट्स के साथ–साथ सैटेलाइट और म्यूजिक राइट्स भी शामिल हैं। हैवान साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अक्षय और सैफ के साथ सैयामी खेर और श्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। एक और खास बात ये है कि यह अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की एक साथ 8वीं फिल्म है। इससे पहले ये सुपरहिट जोड़ी हेरा फेरी , गरम मसाला , भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन, खट्टा मीठा और भूत बंगला जैसी 7 यादगार फिल्में दे चुकी है।

वेलकम टू द जंगलः अक्षय कुमार की फिल्म ने भूत बंगला को चटाई धूल, ओपनिंग डे पर छापे इतने नोट, वर्ल्डवाइड की रिकॉर्ड तोड़ कमाई

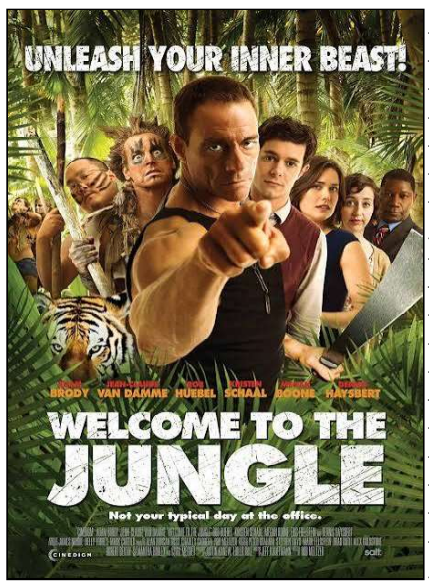

अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम टू द जंगल के पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार आगाज करते हुए डबल डिजिट में अपना खाता खोला है। वेलकम टू द जंगल ने अक्षय की ही पिछली रिलीज भूत बंगला के पहले दिन की कमाई के रिकॉर्ड को धूल चटा दी है। हालांकि, ये फिल्म अक्षय की ही सुपरहिट फ्रैंचाइजी हाउसफुल की 5वीं किस्त हाउसफुल 5 का रिकॉर्ड तोड़ने में नाकाम रही। अक्षय की एक्शन–कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल को समीक्षकों और दर्शकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने अपने प्रदर्शन के पहले दिन भारत में 15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, वहीं अगर गुरुवार को हुए पेड प्रिव्यूज की कमाई 3.75 करोड़ को भी जोड़ दिया जाए तो भारत में फिल्म की कुल कमाई 18.75 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। ऑफिशियल आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने दुनियाभर में पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 27.60 करोड़ का बिजनेस किया है. उधर हाउसफुल 5 ने पहले दिन 24 करोड़ रुपये कमाए थे। वेलकम टू द जंगल ने पहले दिन 18 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ भूत बंगला को पीछे छोड़ दिया, जिसने पेड प्रिव्यूज समेत 16 करोड़ का कारोबार किया था। इसके साथ ही फिल्म ने वेलकम फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग भी दर्ज की। साल 2007 में रिलीज हुई वेलकम ने पहले दिन 3.35 करोड़, जबकि 2015 में आई वेलकम बैक ने 14.4 करोड़ की ओपनिंग ली थी। वेलकम टू द जंगल, वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। कहानी दिवंगत नीरज वोरा की है, जबकि निर्माण फिरोज नाडियाडवाला ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार डबल रोल में नजर आए हैं। उनके साथ सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, रवीना टंडन, लारा दत्ता, अरशद वारसी और परेश रावल समेत कई सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म पूरी तरह से अक्षय कुमार के कंधों पर टिकी है। खासकर, अक्षय की अपनी पुरानी हेरा फेरी की टीम यानी परेश रावल, सुनील शेट्टी और राजपाल यादव के साथ जो कमाल की ट्यूनिंग और सहज केमिस्ट्री है, वो इस फिल्म की सबसे बड़ी जान है। इन कलाकारों की पुरानी और जादुई जुगलबंदी दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर देती है। भले ही फिल्म को मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली हो, लेकिन अभिनय के मोर्चे पर ये काफी मजबूत नजर आती है।

मुंहासे हैं तो हो जाएं सावधान! इन 5 संकेतों से समझें कि त्वचा को चाहिए इलाज

मुंहासों की समस्या आजकल हर उम्र के लोगों में देखने को मिल रही है। गलत खान–पान, हार्मोनल असंतुलन, तनाव और प्रदूषण जैसे कई कारणों से मुंहासे हो सकते हैं। हालांकि, क्या आपको पता है कि मुंहासे भी एक संकेत हो सकते हैं कि आपकी त्वचा को डॉक्टर की जरूरत है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो यह बताते हैं कि आपको अपने मुंहासों का इलाज डॉक्टर से करवाना चाहिए।

अगर मुंहासों में दर्द हो तो डॉक्टर से संपर्क करें

अगर आपके मुंहासों में दर्द हो रहा है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। आमतौर पर मुंहासे हल्के होते हैं और इनमें दर्द नहीं होता। अगर मुंहासे दर्द करने लगें तो यह संकेत हो सकता है कि वे गहरे स्तर पर संक्रमित हो गए हैं या इनमें मवाद भर गया है। ऐसे में घरेलू नुस्खे आजमाने की बजाय डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही समय पर सही इलाज मिल सके और समस्या का समाधान हो सके।

मुंहासों का बढ़ना

अगर आपके मुंहासे बढ़ रहे हैं या बार–बार नए मुंहासे हो रहे हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। घरेलू उपायों से कभी–कभी कुछ समय के लिए राहत मिल सकती है, लेकिन अगर समस्या बढ़ रही है तो डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। डॉक्टर सही सलाह देकर आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं और आपको सही उपचार मिल सकता है।

मुंहासों का ठीक न होना

अगर आप कुछ हफ्तों से घरेलू उपाय अपना रहे हैं, फिर भी आपके मुंहासे ठीक नहीं हो रहे हैं तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। घरेलू उपाय कभी–कभी असरदार होते हैं, लेकिन हमेशा नहीं। अगर आपकी समस्या बनी रहती है या बढ़ती जा रही है तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होगा। इससे आपको सही उपचार मिल सकता है और समस्या का समाधान हो सकता है। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

दाग–धब्बों का बनना

अगर आपके मुंहासों के निशान या दाग–धब्बे बन रहे हैं तो भी डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। इन दाग–धब्बों को ठीक करने के लिए विशेषज्ञ की मदद लेना बेहतर होता है। इससे आपकी त्वचा को सही उपचार मिल सकता है और दाग–धब्बे कम हो सकते हैं। डॉक्टर सही सलाह देकर आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं और आपको सही उपचार मिल सकता है। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है सावधानी बरतना

गर्भवती महिलाएं खासतौर पर सावधानी बरतें क्योंकि गर्भावस्था के दौरान हार्मोनल बदलाव होते रहते हैं, जिससे मुंहासों की समस्या बढ़ सकती है। इस स्थिति में घरेलू उपायों पर निर्भर रहना सही नहीं होगा। डॉक्टर से संपर्क करके ही सही इलाज करवाना चाहिए ताकि मां और बच्चे दोनों स्वस्थ रहें। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते और किसी भी समस्या का सही समाधान पा सकते।